@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 15 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 342 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सौरभ राजपूत नीला ड्रम हत्याकांड में अदालत का कड़ा फैसला

मुस्कान और साहिल को मृत्युदंड

● फैसला सुनते ही रो पड़े ● अदालत के सवाल पर दोनों रहे मौन

एजेंसी

मेरठ (उत्तर प्रदेश)। मेरठ के चर्चित और सनसनीखेज सौरभ राजपूत हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी मुस्कान और उसके साथी साहिल को फांसी (मृत्युदंड) की सजा सुनाई है।

अदालत का कड़ा फैसला: अदालत ने मामले को 'दुर्लभ से दुर्लभतम' (Rarest of Rare) श्रेणी का मानते हुए दोनों दोषियों मुस्कान और साहिल को मृत्युदंड की सजा दी। हत्याकांड का पृष्ठभूमिः सौरभ राजपूत हत्याकांड ने पूरे मेरठ और आसपास के इलाकों में सनसनी फैला दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया था।

नशा देकर चाकू से वार :

पुलिस जांच के अनुसार, मुस्कान ने पहले अपने पति सौरभ राजपूत को नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया। इसके बाद उसने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी। शव के टुकड़े कर ड्रम में किया सीलः हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से दोनों आरोपियों ने सौरभ के शव के कई टुकड़े किए। इसके बाद शव के टुकड़ों को एक नीले ड्रम में डालकर ऊपर से सीमेंट भरकर पूरी तरह सील कर दिया था।

न्याय की जीत

अदालत के इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है और इसे न्याय की जीत बताया है।

“ जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, फैसला सुनते समय मुस्कान ने हाथ जोड़ रखे थे और बाद में रोने लगी। साहिल शुक्ला की आंखें भी नम हो गईं। कुछ देर बाद दोनों फूट फूटकर रोए, जिसके बाद उन्हें बैरकों में ले जाया गया। ”

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दिवाली बोनस

● जन्म से 40फीसदी दिव्यांगों को पेंशन

केंद्र सरकार के 3 बड़े फैसले

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले रेलवे के करीब 11.40 लाख पात्र कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस पर 2,009 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कैबिनेट ने दिव्यांग पेंशन के नियमों में भी बदलाव किया है। अब पेंशन के लिए 80फीसदी की जगह 40फीसदी दिव्यांगता जरूरी होगी और पात्रता जन्म से लागू होगी। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 3 फैसले लिए गए।

वहीं, अगस्त 2026 में भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई में सालाना 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। साथ ही, इस महीने यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि हुई, जो देश भर में रेल-आधारित परिवहन की लगातार मांग को दर्शाता है।

सामाजिक सहायता योजना 5 साल तक जारी रहेगी

कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) को 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके लिए 53,428 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। सरकार के मुताबिक, देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3.20 करोड़ लाभार्थियों को इसका फायदा मिलेगा। इस योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना किया जाएगा। इसके तहत बुजुर्गों की पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना और विधवा पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री विधवा पेंशन योजना होगा। दिव्यांग पेंशन योजना को प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना और राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना को प्रधानमंत्री परिवार लाभ योजना नाम दिया जाएगा। बुजुर्गों और विधवाओं की पेंशन योजनाएं और परिवार लाभ योजना पहले की तरह जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी की उपस्थिति में उनकी आत्मकथा भारतीय गणतन्त्र की विजय गाथा 'मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 14 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां लोक भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी की उपस्थिति में उनकी आत्मकथा भारतीय गणतन्त्र की विजय गाथा 'मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने कहा कि अपनी आत्मकथा के हिन्दी संस्करण के विमोचन समारोह में उपस्थित होना उनके लिए भावपूर्ण क्षण है, क्योंकि इस पुस्तक में उनके निजी जीवन, संघर्षों और अनुभवों का उल्लेख है। उनका जीवन कानपुर देहात जिले के छोटे से गांव परौंख से प्रारम्भ हुआ। गांव से उन्हें आपसी संवेदना, भाईचारे और सामुदायिक भावना की अनमोल पूंजी मिली। वहां लोगों को पारिवारिक रिश्तों के माध्यम से सम्बोधित करने की परम्परा थी। चाचा-चाची, भैया-दीदी, दादा-दादी, अम्मा-बापू और ताऊ जैसे सम्बोधनों के पीछे बड़ों के प्रति सम्मान, प्रेम और स्नेह के संस्कार निहित थे। उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बने यह संस्कार उन्होंने अपने गांव में ही सीखे। अपने बचपन की स्मृतियां साझा करते हुए पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उनका घर बहुत साधारण था। बरसात के दिनों में घास-फूस की छत से पानी टपकता था और परिवार के सदस्यों को बारिश रुकने का इंतजार करना पड़ता था। वर्ष 2017 में राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह स्मृतियां उनके मन में फिर उभरीं। उस समय

उन्होंने कहा था कि आज भी भारत के किसी गांव में कोई छोटा-सा रामनाथ टपकती छत के नीचे खड़ा होकर बेहतर भविष्य का सपना देख रहा होगा। आज उन्हें संतोष है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों से असंख्य गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं। टपकती छत के नीचे जीवन बिताने वाले लोग ही पक्के घर के महत्व को वास्तविक रूप से समझ सकते हैं। श्री कोविन्द ने कहा कि ईमानदारी, करुणा, उदारता और न्यायप्रियता जैसे जीवन मूल्य उन्हें अपने पिता से प्राप्त हुए। उनके पिता शिक्षा के महत्व को समझते थे और मानते थे कि शिक्षा असीम सम्भावनाओं के द्वार खोलती है। उनके दादा को विरासत में लगभग 10-12 बीघा कृषि भूमि मिली थी। परिवार में पांच भाइयों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह विचार किया गया कि भूमि का बंटवारा होने पर प्रत्येक के हिस्से में बहुत कम जमीन आएगी और अगली पी?ी गरीबी में रह सकती है। इसलिए उनके पिता ने उस जमीन को दान कर दिया और परिवार के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। श्री कोविन्द ने कहा कि शिक्षा की शक्ति ने ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि और यहां के लोगों का स्नेह, शुभकामनाएं तथा आशीर्वाद उनके जीवन की पूंजी रहे हैं। परौंख गांव के एक साधारण बालक का राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना उन करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान है, जो यह विश्वास रखते हैं कि साधारण परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी मेहनत, शिक्षा और दृढ़ संकल्प के बल पर असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकता है। उत्तर प्रदेश से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का अवसर मिलना उनके लिए गर्व का विषय है। श्री कोविन्द ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और अन्त्योदय की भावना ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। भारतीय लोकतन्त्र की खूबसूरती यह है कि एक साधारण शिक्षक का पुत्र देश का प्रधानमंत्री बन सकता है, एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सकता है और समाज के कमजोर वर्ग से आने वाला व्यक्ति देश के राष्ट्रपति पद तक पहुंच सकता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने की वैशाली नाव हादसे के पीड़ितों से मुलाकात

पटना । केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने वैशाली नाव हादसे के पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उन बच्चों का हालचाल जाना, जिन्हें घटना के बाद रेस्क्यू किया गया था। चिराग पासवान ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के दुख में शामिल होने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर काम करने के उद्देश्य से कैबिनेट की बैठक छोड़कर बिहार पहुंचे हैं। मीडिया से

बातचीत में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि घटना की जानकारी उन्हें मंगलवार देर रात मिली थी। इसके बाद प्रधानमंत्री को भी इस विषय से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए अपनी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और बिहार सरकार, दोनों की ओर से पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की गई है। उनकी कोशिश होगी कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द मुआवजे और अन्य जरूरी सुविधाओं का लाभ मिले, ताकि इस कठिन समय में उन्हें दूसरी समस्याओं की चिंता नहीं करनी पड़े।

● यूपी पंचायत चुनावः हाईकोर्ट का आदेश-

तीन महीने में कराएं मतदान

निवर्तमान ग्राम प्रधान बने रहेंगे प्रशासक

एजेंसी

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज बुधवार को ग्राम पंचायत चुनाव मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने मामले में आदेश दिया है कि तीन महीने में चुनाव कराना होगा। तब तक निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक बने रहेंगे। प्रयागराज के इम्तियाज हुसैन और अन्य ने समय पर चुनाव कराने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने सभी दलीलें

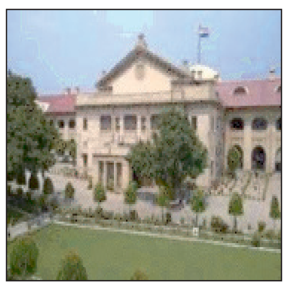

सुनीं। कोर्ट ने शाम 4:00 बजे फैसला सुनाया। आदेश के अनुसार, तीन माह के भीतर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में कार्य करते रहेंगे। फैसला खुली कोर्ट में सुनाया गया, हालांकि अभी आदेश अपलोड नहीं हुआ है।

तीन महीने के भीतर चुनाव कराना निर्वाचन आयोग के लिए चुनौती

पंचायत चुनाव में देरी और निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखने का मामला अदालत में विचाराधीन था। अब तीन महीने के भीतर चुनाव कराने के निर्देश के बाद राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के सामने चुनाव प्रक्रिया समयसीमा में पूरी करने की चुनौती होगी। विस्तृत आदेश अपलोड होने के बाद फैसले की अन्य शर्तें और निर्देश स्पष्ट हो सकेंगे।

2.32 करोड़ जोड़े गए नाम

पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत 2,32,24,805 नए मतदाता जोड़े गए। 2,03,23,287 मतदाताओं के नाम काटे गए। जिन मतदाताओं के नाम काटे गए वह या तो मृतक हैं या फिर वह दूसरी जगह विस्थापित हो चुके हैं। तमाम डुप्लीकेट व फर्जी मतदाताओं के नाम भी हटाए गए हैं। इस तरह पुनरीक्षण के बाद 29,01,518 मतदाताओं की वृद्धि हुई। अब प्रदेश में कुल 12,58,51,570 मतदाता हैं, जो गांव की सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

राहुल यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए

● पुलिस पर आरोप लगाए:छात्रा बोली- प्राइवेट पार्ट पर मारा

युवक ने कहा- गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादती करने के आरोप लगाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में NSUI के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्रा ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक

कान से सुनने की क्षमता चली गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस RSS और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी।

राहुल गांधी ने छात्रों से घटनाओं के वीडियो और दूसरे सबूत सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इन सबूतों के आधार पर पुलिसकर्मियों से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त तक, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। राहुल गांधी ने कहा, 'ये हिंदुस्तान है, अमित शाह जी यहां कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं है, इनकी कोई जात नहीं है। आप इस आवाज के सामने खड़े नहीं हो सकते। स्टूडेंट्स से कहना चाहता हूं। आप वीडियो बनाकर रखिए। उन सबूतों को हम रखेंगे।'

हनी सिंह को महाराष्ट्र साइबर ने फिर भेजा समन

मुंबई। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली में एक कॉन्सर्ट के दौरान कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने से जुड़े मामले में महाराष्ट्र साइबर ने उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए समन भेजा है। हनी सिंह को 16 अक्टूबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले भी उन्हें कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए। अब महाराष्ट्र साइबर इस मामले में आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अगर हनी सिंह इस बार भी पूछताछ के लिए नहीं पहुंचते हैं, तो उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

टाटा जूलॉजिकल पार्क में बाघिन सुनैना ने दिया तीन शावकों को जन्म

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में तीन बाघ शावकों के जन्म से खुशी का माहौल है। बाघिन सुनैना ने 23 सितंबर 2026 की सुबह दो मादा और एक नर शावक को जन्म दिया। चिड़ियाघर प्रबंधन ने बुधवार को इसकी जानकारी साझा करते हुए तीनों शावकों के नामकरण के लिए शहरवासियों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, निर्धारित पशु चिकित्सा प्रोटोकॉल के तहत शुरुआती निगरानी और देखभाल की अवधि पूरी होने के बाद शावकों के जन्म की घोषणा की गई है।

'भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे'

समकक्ष आनंद से मुलाकात के बाद बोले विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों देशों

का नेतृत्व और पारस्परिक संवाद रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज नई दिल्ली में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने व्यापार और निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही, प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया।' उन्होंने आगे कहा, 'अपने नेतृत्व और सरकार तथा उद्योग जगत के साथ लगातार बातचीत के जरिए हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। 'इससे पहले अनीता आनंद ने 2025 में अपनी भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हुई उस बैठक को याद किया, जिसमें वे कनाडा-भारत संबंधों के लिए एक संयुक्त रोडमैप बनाने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति को देखकर वो बेहद उत्साहित हैं।

'दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान'

पीएम मोदी बोले- प्राचीन धरोहरों की वापसी के प्रयास तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहत्तर भारतः दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही।

सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए क्या कर रही सरकार?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा

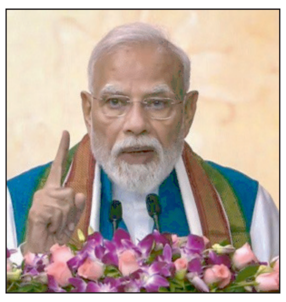

कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी सहेजने के प्रयास कर रही है। इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्तूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) कर रहा है।

- ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने के साथ भारत की प्राचीन पांडुलिपियों को सहेजने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।
- ज्ञान भारतम पहल के जरिए पांडुलिपियों से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- विदेशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों में भी नई तेजी आई है।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई: अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के रोहिणी जिला स्थित विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलाह और गोला–बारूद बरामद किया है। पकड़े गए हथियारों में भारतीय आयुध कारखाने की मुहर और निशान वाली पिस्तौल, चार अन्य पिस्तौल,एक.32 बोर की रिवॉल्वर, एक देसी कट्टा, 52 कारतूस, एक चाकू और दो चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवेश उर्फ प्रिंस (25), राहुल ग्रेवाल उर्फ पिंकू (26) और आकाश (26) के रूप में हुई है। प्रवेश पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। च के दौरान राहुल और आकाश को हथियारों के साथ दबोचा था, जिससे पूछताछ के बाद मुख्य आपूर्तिकर्ता प्रवेश का सुराग मिला। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने बुद्ध विहार इलाके से प्रवेश को एक महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में हथियार पहुंचाने आते समय गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के तार विक्की हद्दल गैंग से जुड़े हुए हैं। बरामद किए गए हथियार असली और आयातित बताए जा रहे हैं, जिनके सीरियल नंबर पुलिस को गुमराह करने के लिए मिटा दिए गए थे।

उत्तराखंड में गुटखा और तंबाकू उत्पादों पर एक साल का प्रतिबंध

-सीएम धामी ने नशा-मुक्त मिशन को दी रफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड को नशा–मुक्त बनाने के अपने संकल्प को आगे बढ़कर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुटखा, पान मसाला और सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण व बिक्री पर एक वर्ष का पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इस निर्णय की घोषणा कर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के गर्त में जाने से बचाना और उनके भविष्य को सुरक्षित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की प्रतिवर्ष समीक्षा की जाती है, जिसके आधार पर यह सख्त कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को नशा–मुक्त बनाने के विजन को साकार करने के लिए उत्तराखंड सरकार प्रतिबद्ध है, क्योंकि युवाओं का भटकाव सीधे तौर पर देश और प्रदेश के भविष्य को प्रभावित करता है। प्रशासनिक बैठक को संबोधित कर सीएम धामी ने मानसून के बाद जनजीवन को सामान्य बनाने और खराब सड़कों की त्वरित मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को जन चौपाल, रात्रि चौपाल और तहसील दिवस के माध्यम से सीधे धरातल पर उतरकर आम जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने को कहा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों की सीधी निगरानी और युवाओं को प्रगति के अवसर प्रदान करने पर भी बल दिया।

एंटी–ड्रग सामजिक कार्यकर्ता परविंदर झोटा की हत्या से हड़कंप: मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ मुखर आवाज उठाने वाले चर्चित सामजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की निर्मम हत्या के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। घटना से आक्रोशित निहंग सिखों और स्थानीय लोगों ने मुख्य आरोपी के घर में जमकर तोड़फोड़ की, सामान बाहर फेंक दिया और उसकी दुकान को आग के हवाले कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखकर पंजाब की भगवंत मान सरकार ने सख्त रुख दिखाकर मुख्य आरोपी अश्वनी कुमार के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुख्य शूटर अश्वनी को बुधवार सुबह गिरफ्तार किया है।

यह सनसनीखेज वारदात एक फार्मेसी में अंजाम दी गई थी। सोशल वर्कर झोटा सोशल मीडिया पर लाइव आकर नशे के सौदागरों का पर्दाफाश करने के लिए मशहूर थे। घटना वाले दिन उनका मेडिकल स्टोर मालिक अश्वनी कुमार से विवाद हुआ था, जिस पर झोटा ने कथित तौर पर सिंथेटिक ड्रग्स बेचने का आरोप लगाया था। इस बहस के दौरान आरोपी ने पिस्तौल निकालकर उन पर गोलियां चला दीं। पूरी वारदात का खौफनाक वीडियो भी सामने आया है। गौरतलब है कि अपनी हत्या से कुछ ही दिन पहले झोटा ने मानसा में फल–फूल रहे अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। पंजाब में नशा विरोधी अभियानों से जुड़े कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यद्यपि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है और अवैध संपत्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन जनआक्रोश को देखकर मानसा में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

रेस्टोरेंट में लगी आग, खिड़की से कूदकर लोगों ने बचाई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात एक रेस्टोरेंट के किचन में आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग से बचने लोग पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गए। घटना के सामने आए वीडियो में कुछ लोग अपने बच्चों को भी खिड़की से नीचे उतारते नजर आ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक मौजपुर स्थित उधम रेस्टोरेंट के किचन में मंगलवार रात आग लगी। आग लगते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों के बीच भगदड़ मच गई।

कांग्रेस का शाह से सवाल... मतदाता सूची से हटाए गए 14 करोड़ लोग वास्तव में घुसपैठिए हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला और तेज किया है। कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री से सीधा और तीखा सवाल पूछा कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक वास्तव में घुसपैठिए हैं? कांग्रेस नेता रमेश ने इस सवाल के जरिए शाह के उन दावों पर निशाना साधा है, जिसमें वे विपक्ष पर घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाते रहे हैं।

जयराम रमेश ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की पूरी कवायद को शाह इंस्टिगेटेड रिमूवल (शाह द्वारा उकसाया गया निष्कासन) करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की जोड़ी ने सुनियोजित तरीके से करीब 14 करोड़ वैध भारतीय नागरिकों को उनके सबसे बुनियादी मताधिकार से वंचित कर दिया है। कांग्रेस नेता ने गंभीर सवाल उठाया कि यदि गृह मंत्री के दावों को सही मान लिया जाए कि मतदाता सूची से हटने वाले लोग घुसपैठिए हैं, तब क्या इसका यह मतलब है कि उनकी निगरानी में देश में 14 करोड़ घुसपैठिए चोरी-छिपे दाखिल हो गए थे, जिन्हें अब जाकर हटाया गया है? कांग्रेस नेता ने एसआईआर का कड़ा विरोध कर गृह मंत्री शाह से तीन स्पष्ट सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कितने वास्तविक घुसपैठियों की पहचान की गई है, उनमें से कितने के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, और महत्वपूर्ण रूप से, उनमें से कितने को देश से बाहर निकाला गया है? जयराम रमेश ने कहा कि देश के करीब 100 करोड़ नागरिकों को इस कठिन और लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है, इसके बाद जनता को इस पूरी कवायद के वास्तविक और पारदर्शी नतीजे जानने का पूरा अधिकार है। उनका कहना है कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस व्यापक अभियान का अंतिम उद्देश्य क्या था और क्या यह सफल रहा।

कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस हालिया बयान के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाया था। शाह ने अपने बयान में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए भारतीय नागरिकता और निर्धारित आयु ही एकमात्र कानूनी और अटल पैमाना है। इस आरोप-प्रत्यारोप से आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची की शुचिता को लेकर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

राहुल गांधी व विपक्ष की याचिका से तकनीकी कमियां दूर, सुप्रीम कोर्ट में 26 अक्टूबर को सुनवाई संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त के कामकाज के तरीके और देशभर में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका से जुड़ी सभी तकनीकी कमियां दूर की गई हैं। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री द्वारा आपत्तियां हटाने के बाद याचिका को औपचारिक रूप से रिट पिटीशन के रूप में दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आधिकारिक सिस्टम के अनुसार, इस महत्वपूर्ण मामले पर सुनवाई की संभावित तारीख 26 अक्टूबर दर्शायी गई है। दशहरा अवकाश के बाद सुप्रीम कोर्ट का कामकाज 26 अक्टूबर से नियमित रूप से शुरू होगा। हालांकि, शीर्ष अदालत इस सप्ताह 16 अक्टूबर तक कार्य करेगी, जिससे यह संभावना बनी हुई है कि यदि याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता विशेष उल्लेख करते हैं, तब इस पर इसी सप्ताह शीघ्र सुनवाई हो सकती है। 12 अक्टूबर को दाखिल याचिका पर रजिस्ट्री ने कोर्ट फीस, दस्तावेजों की स्पष्टता और वकालतनामे जैसी 14 तकनीकी आपत्तियां लगाई थीं, जिन्हें अब ठीक किया गया है। इस याचिका में दो नए नेताओं—वीसीके संस्थापक टी.थिरुमावलवन और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद अहमद किचलू के नाम शामिल होने के बाद कुल याचिकाकर्ताओं की संख्या 13 हो गई है। राहुल गांधी और खड़गे सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं द्वारा दायर संयुक्त याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति और जानकारी के बिना एकतरफा निर्णय ले रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर शुरू करने से जुड़ी सभी सरकारी फाइलें, नोटिंग्स और रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का निर्देश दे।

पंजाब बीजेपी का आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला

-सीबीआई जांच और सीएम के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब के मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या के बाद राज्य की राजनीति में सियासी उबाल है। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने इस हत्याकांड के पीछे पुलिस और लोकल तंत्र की नाकामी का आरोप लगाकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा है। बीजेपी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का हवाला देकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं, गैंगवार और नशा तस्करी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सूबे में भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि झोटा की हत्या उस समय की गई जब उन्होंने नशीली दवाएं बेचने वाली एक केमिस्ट दुकान का भंडाफोड़ किया था। मृतक के पिता के बयानों का हवाला देकर बीजेपी नेता ने दावा किया कि यह अवैध कारोबार लोकल विधायक और पुलिस तंत्र की मिलीभगत से चल रहा है। बीजेपी नेता ढिल्लों ने राज्य सरकार की घेराबंदी कर कहा कि आज ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब पुलिस के अधिकारी को 15 किलोग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों पकड़ा है, जो यह साबित करता है कि नशे के कारोबार को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने अमृतसर में बैंक मैनेजर को गोली मारे जाने और मोहाली मुठभेड़ जैसी घटनाओं का जिक्र कर कहा कि मुख्यमंत्री, जिनके पास गृह विभाग भी है, राज्य को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। बीजेपी ने पूरे पंजाब में घटना के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर कहा है कि केवल भाजपा ही राज्य को नशा मुक्त बना सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले सपा को झटका: 3 बागी विधायक भाजपा में शामिल

अखिलेश यादव की बढ़ी चुनौती

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। सपा के तीन प्रमुख बागी विधायक, राकेश प्रताप सिंह (गौरीगंज, अमेठी), अभय सिंह (गोसाईंगंज, अयोध्या) और विनोद चतुर्वेदी (कालपी, जालौन), आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन तीनों विधायकों ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था, लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान इन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी, जिसके बाद से ही इनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज थीं।

भाजपा में शामिल होने के बाद तीनों विधायकों ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर हमला बोलकर अपने दल-बदल के पीछे के कारणों का खुलासा किया। गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह ने कहा कि रामचरितमानस का अपमान करने वालों और भगवान श्री राम के दर्शन से रोकने वालों का साथ देना उनके लिए संभव नहीं था। कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के समय सपा हाईकमान द्वारा विधायकों को दर्शन करने से रोकना करोड़ों लोगों की जन-आस्था पर सीधी चोट थी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना कर कहा कि जनता के समग्र विकास के लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है।
गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने दावा किया कि उनके क्षेत्र की 98 प्रतिशत जनता और बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ करीब एक हजार स्थानीय जनप्रतिनिधि भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर जन-प्रतिनिधि लगातार भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। तीन विधायकों के इस दलबदल से आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के रणनीतिक खेमे को एक बड़ा नुकसान पहुंचा है, और यह अखिलेश यादव के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

सीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर भड़कीं ममता: यह पूरी पीढ़ी को डराने की कोशिश

खड़गे ने कहा.....तानाशाही रवैया अपना रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के युवा कार्यकर्ताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की दिल्ली में हुई गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलकर कहा कि यह कार्रवाई युवाओं और पूरी पीढ़ी को डराने तथा उनकी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी कोशिश है। उन्होंने नागरिकों और विपक्षी दलों से देश के लोकतंत्र तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। तृणमूल प्रमुख ममता ने कहा कि भारत की कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए लंबा संघर्ष किया है, और इस अधिकारों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है और जनता द्वारा चुनी गई सरकारें ही जनता के अधिकारों को कुचल रही हैं। युवाओं का हौसला बढ़कर उन्होंने संदेश दिया कि आपकी दीदी हमेशा आपके साथ खड़ी है, हमें मिलकर अपनी भारत माता और लोकतंत्र को बचाना होगा।

इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों पर लगी रोक और कड़े नियमों को लेकर केंद्र सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से सवाल पूछने वालों को जेल भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि यह विवाद तब खड़ा हुआ जब दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर अनधिकृत रूप से प्रवेश करने के आरोप में सीजेपी के तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। हाल ही में जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया गया है। मामले में सुनवाई करते हुए स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया, जबकि तीसरे कार्यकर्ता अजिंक्य शिंदे को 5,000 रुपये के मुचलके पर रिहा किया।

एसआईआर को लेकर ओवैसी ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख, प्रक्रिया के तरीके को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसआईआर को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तरीके को चुनौती दी है। ओवैसी के अलावा वकील प्रशांत भूषण ने दिल्ली एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फॉर्म-6 में घोषणा पत्र भरवाया जा रहा है कि आपने कभी वोट नहीं दिया है, जो वोटर कहीं से शिफ्ट होकर आया है, उसे फॉर्म-8 भरने का मौका मिलना चाहिए। लिस्ट में सुधार की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर ही सुनवाई की तारीख रखी है। इस याचिका को पहले सुना जाए। वकील प्रशांत भूषण की याचिका सुनकर चीफ जस्टिस ने कहा कि हम 28 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे। आपकी चिंता का समाधान करने की कोशिश करेंगे। बता दें एसआईआर को लेकर जमकर बवाल मचा हुआ है। विपक्ष सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। इतना ही नहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की जा रही है। ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी एसआईआर को लेकर कई याचिका दायर की गई हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के बाद से एसआईआर को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस रिपोर्ट में चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से एसआईआर से जुड़े फैसलों पर कई बार आपत्ति जताए जाने की बात कही गई है, जिसके बाद से ज्ञानेश कुमार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने ये रिपोर्ट सामने आने के बाद सफाई दी थी।

एलएसी पर शांति के बिना चीन से रिश्ते सामान्य होना संभव नहीं: जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों को लेकर देश का रुख फिर पूरी तरह स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता का बना रहना सबसे प्राथमिक और अनिवार्य शर्त है। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में जयशंकर ने कहा कि सीमा पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या तनाव का सीधा असर दोनों देशों के द्विपक्षीय, व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर पड़ेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने उल्लेख किया कि वर्ष 2024 के बाद से एलएसी पर स्थिति में सुधार आया है और उसी अनुपात में दोनों देशों के रिश्तों में भी धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में साढ़े चार साल तक चले सैन्य गतिरोध के बाद अब विश्वास बहाली के उपाय हो रहे हैं। जब विदेश मंत्री जयशंकर से चीन से आने वाले निवेश और व्यापारिक ढील के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत व्यापार के लिए सीमा विवाद के पूर्ण समाधान की शर्त नहीं रख रहा है, लेकिन सीमा पर शांति और स्थिरता जरुरी है। व्यापारिक और बाजार पहुंच से जुड़ी नीतियों पर अलग से और स्थिति का आकलन करके निर्णय लिया जाएगा। जयशंकर ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार असंतुलन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पूरी तरह से चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारतीय कंपनियों को चीनी बाजारों में वह समान मौके और पहुंच नहीं मिल पा रही है, जो भारत ने चीनी कंपनियों को अपने बाजार में दी है। 2020 की गलवान घाटी की हिंसक झड़प का जिक्र कर विदेश मंत्री ने कहा कि 1975 से 2020 तक पूरे 45 वर्षों तक सीमा पर शांति बनी रही और कोई खून-खराबा नहीं हुआ था। लेकिन 2020 की घटना ने उस चार दशक पुरानी यथास्थिति को तोड़ दिया, जिससे दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव आ गया। उन्होंने साफ किया कि भविष्य में भी संबंधों की दिशा सीमा पर अमन-चैन से ही तय होगी।

मुख्यमंत्री ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी की उपस्थिति में उनकी आत्मकथा भारतीय गणतन्त्र की विजय गाथा 'मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

यही भारतीय गणतन्त्र की सच्ची विजय गाथा है। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था और सुशासन को नई ऊर्जा मिली है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है। एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और मेट्रो सेवाओं जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम हुआ है। सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से अन्त्योदय की भावना के अनुरूप विकास का लाभ ग्रामीण परिवारों और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन पहलों से रोजगार, शिक्षा और विकास के अवसर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचेंगे तथा प्रदेश के समावेशी विकास को बल मिलेगा। पूर्व राष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, संत कबीर, संत रविदास और गोस्वामी तुलसीदास की भूमि है। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम की यह भूमि भारत की महान सांस्कृतिक परम्पराओं का केंद्र है। उन्होंने प्रयागराज महाकुम्भ-2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन ने दुनिया को भारत की आध्यात्मिक चेतना, आस्था और सामाजिक समरसता की विराट शक्ति का परिचय दिया। महाकुम्भ का सबसे बड़ा संदेश यह था कि भारत की प्राचीन परम्पराएं आज भी करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति रखती हैं। श्री कोविन्द ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को राजनीति, शासन-प्रशासन और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें शासन व्यवस्था में भी सक्रिय योगदान देना चाहिए। यह धारणा गलत है कि राजनीति में सज्जन व्यक्तियों के लिए स्थान नहीं है। यदि सुशासन स्थापित करना है, तो ईमानदार और योग्य व्यक्तियों को राजनीति में आगे आना होगा। उन्होंने प्राचीन दार्शनिक प्लेटो के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक मामलों के प्रति अच्छे लोगों की उदासीनता का परिणाम यह होता है कि उन्हें अपने से कम योग्य लोगों के शासन में रहना प ?ता है। देश के प्रत्येक युवा में शिक्षक, वैज्ञानिक, चिकित्सक, अधिवक्ता, मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति जैसे उच्च पदों तक पहुंचने की क्षमता मौजूद है। भारतीय गणतंत्र, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्य युवाओं की क्षमताओं को साकार करने के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश श्री रामनाथ कोविन्द की जन्मभूमि और कर्मसाधना की भूमि है। उनका प्रदेश में आगमन प्रत्येक उत्तर प्रदेशवासी को अभिभूत करने वाला होता है। आज का अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उनकी आत्मकथा 'ट्रायम्फ्स ऑफ द इंडियन रिपब्लिक = माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' के हिन्दी संस्करण का विमोचन उनकी जन्मभूमि वाले प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस पुस्तक के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन पहले ही किया जा चुका है। मुख्यमंत्री जी ने इस प्रेरक कृति के प्रकाशन और विमोचन के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार तथा प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से श्री रामनाथ कोविन्द को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री रामनाथ कोविन्द का जीवन इस बात का उदाहरण है कि व्यक्ति अभावों को अपनी कमजोरी बनाने के बजाय उन्हें संघर्ष की शक्ति बना सकता है। उन्होंने अभावों में जीवन व्यतीत किया, लेकिन उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने की राह में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने परिश्रम, पुरुषार्थ और संघर्ष का मार्ग चुना। कानपुर देहात जिले के परौंख गांव के एक साधारण परिवार से प्रारम्भ हुई उनकी जीवन यात्रा भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंची। यह यात्रा बताती है कि व्यक्ति में संघर्ष करने का जज्बा हो, विषम परिस्थितियों से जूझने की प्रवृत्ति हो और लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प हो, तो वह असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री रामनाथ कोविन्द ने अपने सार्वजनिक जीवन में जिस सहजता, सरलता और संवैधानिक मर्यादा के साथ दायित्वों का निर्वहन किया, वह अनुकरणीय है। राज्यसभा के सदस्य, बिहार के राज्यपाल और भारत के राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन देश की भावनाओं के अनुरूप किया। श्री कोविन्द ने प्रत्येक दायित्व को सहजता और सरलता के साथ निभाया तथा अपने व्यवहार से लोगों के मन में सम्मान और श्रद्धा का भाव उत्पन्न किया। उनका जीवन भारतीय गणतंत्र की उस शक्ति का परिचायक है, जिसमें साधारण परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी शिक्षा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रपति पद पर पहुंचने के बाद भी श्री रामनाथ कोविन्द का अपनी जन्मभूमि, गांव और पुराने साथियों के प्रति अनुराग बना रहा। वे अपने पुराने परिचितों से उसी आत्मीयता से मिलते हैं और किसी को स्वयं से दूर नहीं करते। जन्मभूमि के प्रति ऐसा लगाव भारतीय संस्कृति के मूल भाव को अभिव्यक्त करता है। भगवान श्रीराम ने भी सोने की लंका के आकर्षण को अस्वीकार करते हुए जननी और जन्मभूमि को सर्वोपरि माना था। व्यक्ति चाहे कितने ही ऊंचे पद पर पहुंच जाए, अपनी जड़ों, संस्कारों और जन्मभूमि के प्रति सम्मान का भाव सदैव बनाए रखना चाहिए। श्री रामनाथ कोविन्द के गांव परौंख के विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गांव में आंगनबाड़ी केन्द्र, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय और शिक्षा की बेहतर सुविधाओं के विकास की दिशा में प्रयास किए गए हैं। वहां विद्यालय भवन को विकसित कर राज्य सरकार को समर्पित किया गया, जिसे सरकार ने एक अच्छे आवासीय विद्यालय के रूप में विकसित करने का कार्य किया। किसी महान व्यक्तित्व का सम्मान केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों और मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा और पुस्तकों के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि अच्छी पुस्तकें किसी भी व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बन सकती हैं। आज के समय में जब लोग प्रतिदिन पांच से सात घण्टे स्मार्टफोन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यतीत कर रहे हैं, ऐसे में यदि वे एक-दो घंटे भी पुस्तकों के अध्ययन के लिए निकालें, तो इससे उन्हें अधिक लाभ होगा। सोशल मीडिया पर रील बनाकर लाइक्स प्राप्त करने के बजाय अपनी वास्तविक जिंदगी को बेहतर बनाने पर ध्यान देना अधिक उपयोगी है। युवाओं को आगे बढ़ने के लिए महापुरुषों की जीवनियां और आत्मकथाएं पढ़नी चाहिए, क्योंकि इनके माध्यम से संघर्ष, अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को समझने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर पुस्तकालयों की स्थापना की जा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय निर्मित हो चुके हैं और इनमें एक कक्ष पुस्तकालय के लिए निर्धारित किया गया है। इन पुस्तकालयों में गांव के बच्चों को अध्ययन की सुविधा मिल रही है तथा डिजिटल पुस्तकालयों के विकास को भी आगे ब ?ाया जा रहा है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में भी पुस्तकालयों के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है, ताकि अच्छी पुस्तकों तक विद्यार्थियों की पहुंच सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेशनल बुक ट्रस्ट के माध्यम से उत्तर प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर पुस्तक मेलों का आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ में आयोजित पुस्तक मेले के बाद गोरखपुर में भी पुस्तकें खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पुस्तक मेले में भी युवाओं, विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की भागीदारी देखने को मिली। समाज में पुस्तकें पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश सरकार भी अच्छी पुस्तकों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में प्रयास करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि श्री राम नाथ कोविन्द के व्यक्तित्व में पद की गरिमा के साथ विनम्रता और सादगी का अद्भुद समन्वय है। सार्वजनिक जीवन में शुचिता बनाए रखना और बड़े से बड़े पर पहुंचने के बाद अहंकार से दूर रहना महत्वपूर्ण है। श्री राम नाथ कोविन्द का जीवन इस दृष्टि से सभी के लिए प्रेरणादायक है। उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सादगी, पारदर्शिता और सहजता श्री राम नाथ कोविन्द के व्यक्तित्व की विशेषताएं हैं। कानपुर के छोटे से गांव से निकलकर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचना भारतीय गणतन्त्र की सुन्दरता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि श्री राम नाथ कोविन्द स्नेह, विनम्रता और सादगी के प्रतीक हैं। ऊंचे पद पहुंचने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना श्री कोविन्द के व्यक्तित्व की विशेषता है वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने भी सम्बोधित किया। इस असवर पर पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द की धर्मपत्नी श्रीमती सविता कोविन्द, रूपा पब्लिकेशंस के प्रबन्ध निदेशक श्री कपीश मेहरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नींबू 250, अदरक 125 और प्याज 80 रुपये किलो, कद्दू के भाव भी कम नहीं

हथीन। सब्जियों के बढ़ते दामों ने लोगों की रसोई का स्वाद और बजट दोनों बिगाड़ दिए हैं। हथीन की सब्जी मंडी में प्याज का भाव 70 से 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है, जबकि नींबू 250 रुपये किलो बिक रहा है। अदरक के दाम भी 125 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के भाव बढ़ने से लोगों को खरीदारी से पहले अपनी जेब का हिसाब लगाना पड़ रहा है। हथीन की सब्जी दुकानों पर टमाटर 50 से 55 रुपये, फूलगोभी 60 से 65 रुपये और तोरी 40 से 50 रुपये प्रति किलो बिक रही है। अरबी का भाव 40 रुपये, खीरा और गाजर 60-60 रुपये और कद्दू 40 रुपये प्रति किलो है। वहीं, आलू 25 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। सब्जियों की खरीदारी करने आए ग्राहक सुरेंद्र और सुरेश ने बताया कि नींबू के दाम आसमान छू रहे हैं और प्याज भी थाली से गायब होने की कगार पर है। अब यह सोचना पड़ता है कि क्या खरीदें और क्या छोड़ें। लगातार बढ़ते दामों से मासिक बजट प्रभावित हो रहा है। जरूरत के मुताबिक सब्जियां खरीदना भी मुश्किल हो रहा है। सब्जी कारोबारी नौमान ने बताया कि सब्जियों के दाम क्यों बढ़ रहे हैं, यह कहना अभी मुश्किल है। हालांकि, जिस तरह से भाव लगातार बढ़ रहे हैं, उससे प्याज, नींबू और अदरक के दामों में आगे भी तेजी आने की आशंका है।

पिस्टल-डंडों से हमला, तीन घायल दूसरे पक्ष की युवती ने भी लगाए गंभीर आरोप

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र के आरडीसी में जन्मदिन मनाने के बाद घर लौट रही युवती के साथ छेड़छाड़ को लेकर जमकर बवाल हुआ। आरोप है कि युवती का हाथ पकड़कर कुछ युवक उसे अंधेरे की ओर खींचने लगे। विरोध करने पर युवती के भाई और उसके साथियों से मारपीट की गई। आरोपियों ने फोन कर कई और युवकों को बुला लिया। इसके बाद पिस्टल और लाठी-डंडों से लैस करीब आधा दर्जन युवकों ने हमला कर दिया। पिस्टल के बट से युवती के भाई समेत दो युवकों के सिर और चेहरे पर वार किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। उधर, दूसरे पक्ष की युवती ने आरोप लगाया कि वह भाई के साथ कुल्फी खा रही थी। इसी दौरान नशे की हालत में आए युवकों ने उनके साथ छेड़छाड़ की और भाई पर हमला किया। कविनगर पुलिस ने दोनों पक्षों की प्राथमिकी दर्ज कर ली हैं। आरडीसी में रहने वाली युवती के मुताबिक वह एक निजी प्रतिष्ठान में नौकरी करती हैं। 30 सितंबर को उनके भाई राहुल का जन्मदिन था। जन्मदिन मनाने के बाद वह भाई और स्टाफ के अन्य लोगों के साथ पार्किंग में पहुंचीं। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने युवती का हाथ पकड़ लिया और तीन युवक उन्हें जबरन अंधेरे की ओर खींचने लगे। युवती के शोर मचाने पर भाई मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर स्टाफ के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि इसके बाद ब्लैक कैफे हुक्का बार से फोन कर कुछ और युवकों को बुलाया गया। कुछ देर बाद ही गाड़ी से करीब छह युवक पहुंचे। इनमें चार के हाथ में लाठी-डंडे और दो के पास पिस्टल होने का आरोप है। सभी ने एकराय होकर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। रिपोर्ट में अभि चौधरी उर्फ बच्चू सिंह का नाम भी आरोपी के तौर पर दर्ज है। आरोप है कि अभि चौधरी और उसके साथी ने पिस्टल के बट से युवती के भाई सहित तीन युवकों के मुंह और सिर पर वार किए। अन्य आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया। इसके बाद आरोपियों ने धमकी दी कि आरडीसी में उनका ही दबदबा है और पुलिस को सूचना देने पर जान से मार देंगे। घायलों को संजयनगर स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया पीड़िता की शिकायत पर कविनगर पुलिस ने अभि चौधरी उर्फ बच्चू सिंह समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि युवती ने भाई के मोबाइल से 112 नंबर पर कॉल करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो सकी। हालात बिगड़ते देख एक राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक आरोपी मौके से भाग गए। उधर, दूसरे पक्ष की युवती ने के मुताबिक घटना बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे पंछी कुल्फी वाला, आरडीसी के पास हुई। पीड़िता अपने भाई के साथ कुल्फी खा रही थी। तभी सामने वाले मॉल से दो लड़के आए और युवती पर गंदी टिप्पणी करने लगे। भाई ने इसका विरोध किया और पूछा कि वे उसकी बहन पर ऐसी टिप्पणी क्यों कर रहे हैं। इसके बाद आरोपी गाली-गलौज पर उतर आए और युवती को भी गाली दी। विवाद बढ़ने पर उन्होंने 8 से 10 अन्य लड़कों को बुला लिया। इन सभी ने मिलकर भाई-बहन और बीच-बचाव करने आए लोगों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने अतुल पर धारदार हथियार से भी हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। युवती ने तुरंत 112 पर पुलिस को सूचना दी। एसीपी कविनगर अभय राजेंद्र डागा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई हैं। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। सीसीटीवी खंगालकर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

देविका टावर में 12वीं मंजिल का छज्जा भरभराकर नीचे गिरा, मचा हड़कंप

साहिबाबाद। वैशाली सेक्टर 4 स्थित देविका टावर में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां 12वीं मंजिल की बालकनी का छज्जा अचानक नीचे गिर गया। इस घटना के बाद पूरी सोसायटी में हड़कंप मच गया। यह दुर्घटना शाम 4:30 से 5 बजे के बीच घटित हुई। छज्जा गिरने की खबर मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, दुर्घटना के कारण चार गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। देविका टावर में सोसाइटी निवासी सुमन ऑबरॉय ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह इमारत 12 मंजिल की है। इसमें कुल 96 फ्लैट मौजूद हैं, जिनमें करीब 400 लोग निवास करते हैं। गिरने वाला छज्जा केवल आठवीं मंजिल तक सीमित नहीं था। टावर की 12वीं मंजिल से नौवीं तक छज्जे ढह गए। इन छज्जों के मलबे से नीचे खड़ी चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। सोसायटी में अचानक हुए इस हादसे से निवासियों में भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सोसाइटी निवासी सुमन ऑबरॉय ने बताया कि सौभाग्य से घटना के समय बच्चे पीछे की तरफ खेल रहे थे। यदि बच्चे उस स्थान पर मौजूद होते, तो एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। इस तथ्य से सोसायटी के लोगों ने राहत की सांस ली।

रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ की तैयारियों के लिए तीन विशेष समितियां गठित

नई दिल्ली। दिल्ली में रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के आयोजन के लिए सरकार ने तीन विशेष समितियां गठित कर दी हैं। ये समितियां आयोजन स्थलों को अंतिम रूप देने के साथ सिंगल विंडो से एनओसी, सुरक्षा, यातायात, सफाई, बिजली, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाओं की निगरानी करेंगी। रामलीला से जुड़ी समिति की अध्यक्षता समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह करेंगे। समिति में विधायक अशोक गोयल सहित कई को सदस्य बनाया गया है। समिति जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के जरिये सिंगल विंडो व्यवस्था से जरूरी एनओसी आदि की व्यवस्था देखेगी। दुर्गा पूजा समिति की अध्यक्षता कानून एवं न्याय, श्रम, रोजगार, विकास, कला एवं संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा करेंगे। विधायक शिखा रॉय आदि इस समिति में हैं। समिति दुर्गा पूजा के दौरान मूर्ति विसर्जन के लिए कृत्रिम और अस्थायी तालाब आदि की व्यवस्था करेगी।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री दिवस वधेरा (Mr. Diwas Wadhera), संपत्ति संख्या 16/19, स्थित सुभाष नगर, तेहर-द्ध, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, के संपूर्ण प्रथम तल (छत/टैरेस के अधिकारों के बिना) के स्वामी हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री कैलाश वधेरा की मृत्यु दिनांक 18.11.2010 तथा श्री आशीष वधेरा (पुत्र श्री कैलाश वधेरा) की मृत्यु दिनांक 25.12.2016 के उपरांत, स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों की श्रृंखला में स्वर्गीय श्री कैलाश वधेरा एवं स्वर्गीय श्री आशीष वधेरा के संबंध में एस.एम.सी. का उल्लेख है। श्री दिवस वधेरा के पक्ष में श्रीमती ममता वधेरा द्वारा निष्पादित त्याग विलेख दिनांक 03.07.2023, जिसका पंजीकरण क्रमांक 17075, पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 3240, पृष्ठ संख्या 90-93 है, उप-पंजीयक कार्यालय SRO-IIB, जनकपुरी, नई दिल्ली में पंजीकृत है। इसके अतिरिक्त, श्रीमती राज वधेरा द्वारा निष्पादित त्याग विलेख दिनांक 08.05.2017, जिसका पंजीकरण क्रमांक 6931, पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 2131, पृष्ठ संख्या 109-112 है, भी दिनांक 08.05.2017 को उप-पंजीयक कार्यालय SRO-IIB, जनकपुरी, नई दिल्ली में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, दावों तथा अन्य तृतीय पक्षकारों के अधिकारों एवं हितों से मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I , hitherto known as Baby W/O: Saleem Faruki, R/O 90, dasna gate pakki sarai, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed my name and shall hereafter be known as Najnin Faruki.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Rayyan S/O: Salluddeen, R/O azad nagar colony nai abadi dadri, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, have changed my name and shall hereafter be known as Riyan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sudhir Kumar S/O Jitendra Kumar, R/O Dhooturi, PO: Dhatori, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203001, have changed my name and shall hereafter be known as Surendra Kumar.

NAME CHANGE
I, SABIYA W/O DEEPAK R/O A-184,185, G/F BACK SIDE JJ COLONY PANKHA ROAD UTTAM NAGAR DK MOHAN GARDEN DIST WEST DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO SHABIA.

NAME CHANGE
I, KUMARI PRIYANKA D/O TEJPAL SINGH R/O KHASPURA BIJNOR, KHASPURA, UTTAR PRADESH-246738 HAVE CHANGE MY NAME TO PRIYANKA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, PREETAM KUMAR VERMA S/O B N VERMA R/O MSC-144, MOHALLA YOGMAYA, MULTANI DHANDA, PAHAR GANJ, DELHI-110055 HAVE CHANGE MY NAME TO PREETAM VERMA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, DEEPA DEVI wife of Army No-6498294L, Rank-NK Name-ANAND SINGH residing at VPO-KAMOLA, DIST-NAINITAL, UTTARAKHAND-263140, have changed my name from DEEPA DEVI to DEEPA RANA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth is wrongly mentioned as 20/05/1985 instead of my correct date of birth as 20/08/1984 Vide Affidavit dated 14/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDER KUMAR S/o Bhagat Raj Gandhi R/o H-218, Vikaspuri, Delhi-110018, have changed my name to CHANDER KUMAR GANDHI permanently

NAME CHANGE
I, JAVED KHAN S/o MOHD YASIN R/o F-205, Gali No.6, Subhash Mohalla, Moujpur, Delhi-110053, have changed my name from JAVED KHAN to MOHD JAVED permanently

NAME CHANGE
I AJAY KUMAR CHAUBEY S/0 JAI RAM CHAUBEY R/0 FLAT NO 109 HNO.A1/82 GALI NO 3 RAJAPUR UTTAR NAGAR DELHI 110059 CHANGED MY NAME TO AJAY CHAUBEY

NAME CHANGE
I BHARAT BHUSHAN S/0 DESH BANDHU R/0 FLAT NO 305 GRAND VISTA APARTMENT GH-21 SECTOR 21C PART-3 FARIDABAD HARYANA 121001 CHANGED MY NAME TO BHARAT BHUSHAN CHUTANI

NAME CHANGE
I SHABANA W/O MOHD AQIL SAIFI R/O 542/39 , ZAKIR NAGAR JAMIA NAGAR OKHLA SOUTH DELHI 110025 HAVE CHANGE MY NAME TO SHABANA SAIFI

NAME CHANGE
I, Mobina Begum W/o Islamuddin R/o House No. 7432, Gali Chhoti Masjid, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi - 110006., Have changed my name from Mobine Begum to Mobina for all purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SEKH SAMSUDDIN S/O SEKH AJAD R/o 311, THIRD FLOOR, BUILDING NO-186/189, RAVI MARKET, DARIBA KALAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as S K SAMSUDDIN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, KAVITA SINGH RAJVI W/o SHAKTI SINGH RAJVI R/o QTR NO-60/11, MANEKSHAW MARG, DELHI CANTT-110010, do hereby declare that in my daughter's (ADVAITA KANWAR) school records, my name has been wrongly mentioned as KAVITA SINGH BHATI, instead of my correct name as KAVITA SINGH RAJVI.

NAME CHANGE
I, RAVINDRA KAILA, S/o - Kewal Krishan, R/o: Flat No-192, Block -1, Nineth and Tenth Floor, The Shabad CGHS, Sector -13, Dwarka, New Delhi -110078, Have Changed My Name to RAVINDER KAILA.

Public Notice
It is for general information that I, VINAY KUMAR S/o KARAN SINGH, residing at F-72, Sector 27, Noida, Gautam buddha nagar, UTTAR PRADESH-201301, declare that names of mine and my wife have been wrongly written as VINAY CHAUDHARY and REKHA CHAUDHARY in my minor daughter SHREYA CHAUDHARY aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual names of mine and my wife are VINAY KUMAR and REKHA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SHABIH HASAN S/O TAQI HASAN R/O N-69/5,3RD FLOOR GALI NO 16 BRAHAMPURI SEELAMPUR EAST DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO SHABI HASAN.

NAME CHANGE
I, MOHD KHALIL S/O ZULFIQAR ALI R/O HOUSE NO. 1887, GALI KOLIYAN, SUIWALAN, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM ABDUL KHALIL TO MOHD KHALIL FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, MAHENDRA SINGH VISHT S/O ANAND SINGH BISHT R/O H.NO-225/31 A,LANE NO-3, KISHAN SHOP, WEST RAJIV NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO MAHENDRA SINGH BISHT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, PRIYANSHU S/O SUBHASH R/O H.NO-656, NEAR HIGH SCHOOL, MOKALWAS(132), GURGAON, HARYANA-122413, HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANSHU YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, BABITA RANI W/O SHIV RAJ R/O N-31B, SMARTWORLD,SECTOR-89, GURUGRAM,HARYANA-122505,HAVE CHANGED MY NAME TO BABITA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Lubna Nizami W/o Late Syed Zama Nizami R/o B-55, Basti Hazrat Nizamuddin West, Hazrat Nizamuddin , South Delhi, Hazrat Nizamuddin ,Delhi-110013, have changed my name to Lubna Rafat for all future purposes. This may also be amended in my Daughter's School Records.

NAME CHANGE
I, KULDEEP SINGH S/o KAILASH R/o 1009, GALI NO-6 BASAI ROAD RISHI DHARAM KATA BHAWANI ENCLAVE GURGAON HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO KULDEEP SINGH RATHOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ASHISH S/o YASHPAL R/o RATAN THAL(180) RATTANTHAL, REWARI HARYANA-123301, HAVE CHANGED MY NAME TO ASHISH SINGH ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I SIMRATJIT SINGH BAKSHI S/O KARAMJIT SINGH R/O H. No- D-22 B, Rajouri Garden, Tagore Garden New Delhi- 110027, have changed the name of my minor daughter KIRPA KAUR alias KIRPA KAUR BAKSHI, aged 15 years and she shall hereafter be known as KIRPA KAUR BAKSHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Manoj Kumar Gupta S/o Anil Kumar Gupta R/o Flat No-431, Media Times Apartment, Abhay Khand-4, Indirapuram, Po: Shipra Sun City, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, declare that name of mine has been wrongly written as Manoj Gupta in my minor Daughter namely Aryanshi Gupta, aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine is Manoj Kumar Gupta, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DURGESH D/o Devendra Kumar R/o Balaji Vihar, Railway Road, VTC: Dadri, PO: Dadri, Sub District: Dadri, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh-203207, have changed my name and shall hereafter be known as MAYRA SINGH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRAMALI W/o ANTRAM R/o House No -353, Jafarabad Ganauli, Jafarabad Ganauli, Ghaziabad, Uttar pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as PARMALI.

NAME CHANGE
I hitherto known as MOHAMMAD GESON alias JISAN KHAN S/O MOHAMMAD ISAHAK R/O H. NO-J-3-a, Block-j, Lajpat Nagar-3, Lajpat Nagar, South Delhi, Delhi 110024, have changed my name and shall hereafter be known as JISAN KHAN.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJ KUMARI W/O: Amit Kumar, R/O KINANGAR, Kinannagar, Meerut, Uttar Pradesh, 250004, have changed my name and shall hereafter be known as Mansi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sahil Siddiqui S/O: Nafis Siddiqui, R/O 243-1, Railway Road, Near Transformer, Shanti Nagar, Meerut, PO: meerut City, DIST: Meerut, Uttar Pradesh 250002, have changed my name and shall hereafter be known as Kasim Khan

NAME CHANGE
I, hitherto known as Chhama W/O Ajeet Singh Tomar, R/O Sisoli, Garh Road, Sisoli, PO: Sisoli, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250004, have changed my name and shall hereafter be known as Kshama Tomar.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Abdulla S/O Chand Ali, Jalal Nagar, New Basti, Gajraula, PO: Gajraula, DIST: Amroha, Uttar Pradesh - 244235, have changed my name and shall hereafter be known as Babu.

NAME CHANGE
I, JITENDR S/O DHARMENDR KUMAR R/O RZG-66,GALI NO-3, DDA PARK, RAJ NAGAR PART-2, PALAM COLONY,NEW DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME TO JITENDER FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRIA WARRICK W/O RAKESH ARORA R/o HOUSE NO-B-495, NEAR GURUDWARA, NEW FRIENDS COLONY, DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as DR. PRIA WARRICK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, KAUSER JAHAN W/o SYED ALI KARIM R/o 4950/45, Lekhram Road, Darya Ganj, Delhi-110002 have changed my name to KAUSER KARIM.

NAME CHANGE
I, MUMTAJ W/O MAJID ALI R/O KH NO-277/176 RIGHT PORTION 4TH FLOOR RAM GHAT COLONY VILLAGE WAZIRABAD BURARI DELHI-110084 have changed my name to MUMTAJ BANO for all future purposes.

NAME CHANGE
I FARID MIYA S/O RAHIS AHMED R/O B-736 THIRD FLOOR GALI NO 6/7 KABIR NAGAR DELHI 110093 have changed my name to FARID AHMED Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I S M KHAN S/O ASHRAF KHAN R/O D -19/3A, SECOND FLOOR OKHLA VIHAR NEAR SBI ATM JAMIA NAGAR DELHI 110025 have changed my name to SAFI MOHD KHAN Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNITA W/o RAVINDER KUMAR, R/o 35, 3, KALIGHAT, WAZIRABAD, DELHI-110084, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as SARITA and RAVINDRA in my Voter ID No. CYX2158483. The actual name of mine and my husband are SUNITA and RAVINDER KUMAR, respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME & DATE OF BIRTH CHANGE
I, VELAGA NAGESWARA RAO, father of No-14674648Y, Rank-HAV, Name-BALAJI VELAGA, residing at VILL & PO-KOTANANDURU, TEHSIL-TUNI, DIST-EAST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-533407, have changed my name from VELAGA NAGESWARA RAO to VELAGA VENKATA SATYA NAGESWARA RAO, in my son's service record, my date of birth is wrongly mentioned as 06/12/1962, instead of my correct date of birth as 01/08/1958, vide Affidavit dated 15/09/2026 before Magistrate, Kotananduru, Andhra Pradesh.

खोया-पाया
मैं, विशाल पुत्र स्व श्री श्याम सुंदर, निवासी S-553 - 554, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-110092, ने संपत्ति संख्या S-553-554, प्रथम तल, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-110092 के मूल स्वामित्व संबंधी दस्तावेज़ खो दिए हैं अथवा गुम हो गए हैं। इस संबंध में दिल्ली पुलिस में शिकायत संख्या LR No. 702108/2026, SO No. 430/2014, दिनांक 07.10.2026 को दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज़ मिलें, तो कृपया नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें।

PUBLIC NOTICE
Sh. Ashish Bhardwaj, S/o Sh. Ajay Bhardwaj alias Sh. Ajay Kumar Sharma, is the sole and absolute owner of a residential property measuring 197 sq. yds., comprising a two-and-a-half-storey house, situated at Khasra No. 161 min, Village Chipiyana Buzurg, Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. The aforesaid property was gifted to him by his father, Sh. Ajay Kumar Sharma, S/o Sh. Chanderpal Sharma, vide Registered Gift Deed dated 07.09.2026, bearing Document No. 42696, Book No. I, Volume No. 35968, Pages 353–370, duly registered in the office of the Sub-Registrar, Dadri, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. The aforesaid property is proposed to be mortgaged with Bajaj Housing Finance Limited (BHFL). Any person(s) having any claim, right, title, interest, lien, charge, encumbrance or objection of whatsoever nature in respect of the aforesaid property is/are hereby called upon to submit the same, along with supporting documentary evidence, to the undersigned Advocate within 15 (fifteen) days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claim or objection exists, and the proposed mortgage transaction may proceed in accordance with applicable law, without any further reference to such person(s).

ADVOCATE SATYADEV TYAGI
Address: Chamber No. C-27,
Collectorate Compound,
Raj Nagar, Ghaziabad,
Uttar Pradesh
Mobile No.: 9149345140 ,
98716 45405

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Gaurav Srivastava is purchasing the DDA built Free Hold Flat No. Kd-69-A, on ground floor, Under MIG category, situated at Ashok Vihar, Phase-1, Delhi-110052 from Mr. Pradeep Garg who is the owner of the property vide WILL dated 12.04.1994 which is registered as Doc. No. 14550, Book No. 3, Vol. No. 2037, Page No. 10-12, dated 12.04.1994, SR-Delhi and Intend to mortgage the said property with RBL Bank (Ratnakar Bank Limited). If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I Gurvinder Kaur Arora C/O Amitoj singh R/O 587 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Po: Dr. Mukherjee Nagar, Dist: North west delhi, Delhi- 110009 I have Changed My Name to Gurvinder Kaur

NAME CHANGE
I Shamsher Singh yadav S/O Samar Singh R/O FLAT NO 602, SHEEBA APARTMENT, SECTOR-28, VTC-CHAKARPUR(74), PO- CHAKKARPUR, GURGAON, HARYANA 122002I have changed my name to Shamsher Singh

NAME CHANGE
I, hitherto known as VASU NAGAR S/O DEVENDER NAGAR R/O 5-B Gali No 5, Gopalpur Village, Dr. Muhkerjee Nagar, North West Delhi, Delhi - 110009 have changed my name and shall hereafter be known as VIRAJ NAGAR.

NAME CHANGE
I, AMARJEET S/o LEKHRAJ SINGH R/o Flat No. 708, Tower Kadam-A, Shalimar City, Ashok Vatika, Wazirabad Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, Have Changed The Name Of My Minor Son REON, Aged 13 Years, And he Shall Hereafter Be Known As REON ROYAL. I Have Changed his Name Only not his Religion.

NAME CHANGE
I, AMARJEET S/o LEKHRAJ SINGH, R/o Flat No. 708, Tower Kadam-A, Shalimar City, Ashok Vatika, Wazirabad Road, Ghaziabad, Uttar Prades–201005, have changed the name of my minor daughter, DORIS, aged 12 years, and she shall hereafter be known as DORIS ROYAL. I have changed her name only not her religion.

NAME CHANGE
I Yogendra S/o Bramhapal R/o 25, bangauli, Bangoli, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245207 have changed the name of my minor son Krish aged 16 years and he shall hereafter be known as Abhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Shweta Seth alias Shweta Agarwal, wife of Gaurav Seth, residing at A2-2004, Casa Greens-1, GH-4A, Sector-16B, Noida Extension, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as Shweta Agrawal.

NAME CHANGE
I hitherto known as BRAHMAPAL SINGH S/O RAGHUBIR SINGH, Dayantpur PO: Dayanatpur, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203135 have changed my name and shall hereafter be known as BRAHMPAL SINGH.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

स्वच्छ एवं सुंदर परिवेश से ही संवर रहा है नौनिहालों का भविष्य : महीपाल ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विद्यालयों में पठन-पाठन के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य और साफ-सफाई को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में साफ-सफाई, हाउसकीपिंग, छत की सफाई, शौचालयों की स्वच्छता, खेल के मैदानों के रखरखाव और जल निकासी के पुख्ता प्रबंधों के लिए सुचारू रूप से बजट जारी कर दिया गया है। जिन प्राथमिक विद्यालयों में अंशकालिक कार्यकर्ता कार्यरत नहीं हैं, वहां इन व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के लिए विभाग द्वारा 8,000 रुपये प्रति विद्यालय प्रति माह की दर से 'स्वच्छ प्रांगण' योजना के तहत बजट सीधे तौर पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को बतौर आहरण एवं संवितरण अधिकारी (बीसीओ) जारी कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड मौलिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, मुख्य अध्यापकों, मुख्य शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के प्रधानों से आह्वान किया है कि वे इस बजट का समयबद्ध और पूर्ण सदुपयोग सुनिश्चित करें।

बाहरी ताकतें भारत की शांति भंग कर अराजकता फैलाना चाहती हैं : अनिल विज

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि दिल्ली में सीजेपी व अन्य पार्टियों के प्रदर्शन पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मैने पहले भी कहा था कि बाहर की कुछ शक्तियां भारत की शांति को भंग कर यहां अराजकता फैलाना चाहती है। उसी के तहत यह उनके कहने पर ही काम कर रहे हैं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सवाल उठाते हुए कहा कि इन सभी को एक ही दिन दिल्ली में इकट्ठा कौन करता है। उन्होंने जीवन में पहली बार देखा कि ये अदालत के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। यानि जो निष्पक्ष अदालतें चल रही यह उन पर दबाव व प्रभाव डालना चाहते हैं कि फैसला उनके हक में हो। राहुल गांधी व अन्य पार्टियों ने तो कोर्ट की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप (विपक्ष) केस फाइल करो जोकि पहले ही हुआ है, पहले ही अदालत ने इस पर नोटिस जारी किया और ये इसी मुद्दे को लेकर क्या सुप्रीम कोर्ट को डराने जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट डरेगा नहीं, हमारे देश ही न्यायपालिका है वो निष्पक्ष होकर काम कर रही है उस पर कोई दबाव नहीं डाल सकता।

सड़क निर्माण के रुके कामों के लिए हरियाणा के ठेकेदारों ने मांगी 31 मार्च तक एक्सटेंशन

चंडीगढ़। ऑल हरियाणा हरियाणा पीडब्ल्यूडी कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन की आज निर्माण सदन में हुई बैठक में सड़क निर्माण के लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए सरकार से 31 मार्च तक एक्सटेंशन देने की मांग की गई। एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक जैन ने कहा कि सरकार ठेकेदारों को पहले 30 जून तक और फिर 30 सितंबर तक आगे भी एक्सटेंशन दे चुकी है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में ठेकेदारों के काम अभी तक अधूरे पड़े हैं जिनकी वैल्यू 1500 करोड़ आंकी गई है। चेयरमैन अशोक जैन, प्रधान जय भगवान और वाइस प्रेसिडेंट मनोज चहल ने कहा कि ग्लोबल सप्लाई चेन में बाधा आने के कारण निर्माण सामग्री की उपलब्धता प्रभावित हुई थी, जिससे सड़क निर्माण कार्यों में देरी शुरू हुई। अभी भी जरूरी सामग्री की उपलब्धता कम है और उसकी कीमतें पहले के मुकाबले काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में ठेकेदारों के लिए निर्धारित समय में काम पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

वोट की गरिमा और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा : कुमारी सैलजा

सिरसा । सिरसा पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता संविधान, लोकतंत्र और अपने मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह जागरूक और एकजुट है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जाति, धर्म, क्षेत्र और राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए उठने वाली आवाज देश की संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश देती है। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि प्रत्येक नागरिक का वोट लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और इसकी पवित्रता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। सांसद ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि कथित वोट चोरी के मामलों की निष्पक्ष जांच हो, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें।

बेटियों के स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए जागरूकता जरूरी- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता

स्वस्थ जीवनशैली, कैंसर से बचाव और एचपीवी टीकाकरण के प्रति किया जागरूक- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

यमुनानगर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि बेटियों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और जागरूकता स्वस्थ समाज की बुनियाद है। समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श से कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया है। हमें मिलकर अपने आस-पास की बेटियों की स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण सुनिश्चित करना है।भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के तहत डीएवी गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को कैंसर से बचाव, शुरुआती लक्षणों के प्रति सतर्कता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ दिनचर्या के महत्व के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताने के बजाय शारीरिक गतिविधियों, योग और पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करना चाहिए। तंबाकू, गुटखा और धूम्रपान से दूर रहने के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को भी इनसे बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे

स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर अपनी मां और परिवार की अन्य महिलाओं से खुलकर बातचीत करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेटियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शुरू किए गए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने पात्र बालिकाओं से इसका लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता महत्वपूर्ण हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा, जागरूकता और जनभागीदारी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने छात्राओं से स्वस्थ आदतों को अपनी दिनचर्या में अपनाने और परिवार व आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की।

दामला स्थित सेठ जयप्रकाश पॉलिटेक्निक में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारम्भ करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि आयुष पद्धति का महत्वपूर्ण उद्देश्य योग, नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार और व्यायाम के माध्यम से बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल जांच और दवाइयों तक सीमित रखने के बजाय स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि शिविर में ओपीडी और निःशुल्क दवाइयों के साथ विद्यार्थियों को योग, सैर, व्यायाम और मौसम के अनुसार खानपान की जानकारी भी दी जाए।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को तय समय में पूरा करें अधिकारी, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : उपायुक्त महेंद्र पाल

कहा, घोषणाओं की प्रगति कागजों तक सीमित न रहे, स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और वास्तविक स्थिति जांचें

एजेंसी

हिसार। जिला में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा को लेकर उपायुक्त महेंद्र पाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणाओं से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति, लंबित योजनाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घोषणाओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं जन अपेक्षाओं से जुड़ी हैं और इनकी

पूर्ति सरकार की प्राथमिकता में है। इसलिए सभी विभागों के अधिकारी गंभीरता से कार्य करते हुए योजनाओं और निर्माण कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा तय समयसीमा के भीतर पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि घोषणाओं का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना और क्षेत्र के विकास को गति देना है। ऐसे में अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी जवाबदेही के साथ करें। बैठक में उपायुक्त को अवगत करवाया गया कि बरवाला में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत सामुदायिक केंद्र का कार्य तेजी से चल रहा है और इसे वर्ष 2027 में पूरा कर लिया जाएगा। इसी प्रकार से गांव खरड़ में कुश्ती हॉल के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य भी सितंबर 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। गांव मंगाली में परचेज सेंटर स्थापित किए जाने की दिशा में भी कार्यवाही की जा रही है।

उपायुक्त महेंद्र पाल ने शहरी स्थानीय निकाय व अन्य निर्माण एजेंसियों को सख्त हिदायत दी कि वे हिसार शहरी में मल्टी स्टोरी पार्किंग के निर्माण को लेकर गंभीरता दिखाएं। उन्हें अवगत करवाया गया कि पहले मल्टी स्टोरी पार्किंग की जो ड्राइंग थी, उसमें बदलाव हुआ है। अब पार्किंग का डिजाइन यू शेप का बनेगा। इसके अलावा स्टड फार्म के समीप रेलवे लाइन पर आरओबी बनाए जाने में हो रही देरी पर भी सख्ती दिखाते हुए संबंधित अधिकारी से जवाब तलब किया।

अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को समय पर मिले मुआवजा: उपमंडलाधीश आशीष कुमार

एजेंसी

रोहतक: उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आपसी तालमेल बढाकर यह सुनिश्चित करें कि फसल बीमा करवाने वाले किसानों को फसलों को नुकसान की स्थिति में परेशान न होना पडे। अधिकारी प्रभावित किसानों को कृषि बीमा कंपनी के साथ समन्वयक बनाकर समय पर मुआवजा दिलवाना सुनिश्चित करें। उपमंडलाधीश आशीष कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक के एजेंडे में शामिल बिंदुओं की बारी-बारी समीक्षा की तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ भारतीय कृषि बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिये। आशीष कुमार ने कहा कि रबी 2025 में फसलों को हुए नुकसान के लंबित मुआवजे का यथाशीघ्र वितरण करवाया जाये। संबंधित किसानों के दस्तावेज एकत्रित करने में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी कृषि बीमा कंपनी का सहयोग करें ताकि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसान यूनियन से जुडे किसानों की मदद भी ली जा सकती है। उन्होंने कृषि बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को सख्त निर्देश दिये कि वे राज्य स्तरीय निगरानी समिति द्वारा स्वीकृत की गई मुआवजा राशि का एक माह में प्रभावित किसानों को वितरण सुनिश्चित करवाये। इस अवसर पर कृषि उपनिदेशक डॉ सुरेंद्र मलिक ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा मुआवजा वितरण से संबंधित मामलों की जानकारी दी।

किसानों की उपज की सुरक्षा सरकार और जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

- **उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पलवल अनाज मंडी का किया औचक निरीक्षण**

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने एसडीएम भूपेंद्र सिंह और संबंधित अधिकारियों के साथ पलवल स्थित अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर फसल सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं सहित खरीद व्यवस्था तथा किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में आने वाली धान, बाजरा और कपास की फसल को प्रतिकूल मौसम से सुरक्षित रखने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें किसी भी प्रकार का आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से बरसात की संभावना को ध्यान में रखते हुए मंडियों में खुले में रखी फसल को तिरपाल और अन्य कवर से सुरक्षित रखने के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। इसके साथ ही अनाज मंडी परिसर में जलभराव की समस्या से बचने के लिए पानी की निकासी के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं ताकि किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उपायुक्त ने

अनाज मंडी में फसल की आवक, खरीद प्रक्रिया और संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज की सुरक्षा सरकार और जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और खरीद कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों और खरीद एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को मंडी प्रधान, मार्केट कमेटी के चेयरमैन और आढ़ती एसोसिएशन के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा अनाज मंडी में आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

जिले की मंडियों में 2.77 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद, 1.05 लाख मीट्रिक टन का हुआ उठान

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में धान की सरकारी खरीद लगातार जारी है। 12 अक्टूबर तक जिले की मंडियों में कुल 2 लाख 77 हजार 268 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है, जबकि 1 लाख 4 हजार 981 मीट्रिक टन धान का उठान हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा मंडियों में खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने और उठान में तेजी लाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि खरीद एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार,

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने अब तक 1,39,301 मीट्रिक टन धान की खरीद की है, जिसमें से 51,880 मीट्रिक टन का उठान किया जा चुका है । इसी प्रकार हैफेड ने 91,907 मीट्रिक टन धान खरीदा है और 36,321 मीट्रिक टन का उठान किया है। हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने 46,060 मीट्रिक टन धान की खरीद की है, जिसमें से 16,780 मीट्रिक टन का उठान हुआ है। मंडियों एवं खरीद केंद्रों के अनुसार, ढांड मंडी में सर्वाधिक 44,131 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इसके बाद कैथल की अतिरिक्त मंडी में 38,704 मीट्रिक टन, गुहला चीका की नई मंडी में 38,048 मीट्रिक टन तथा पूंडरी मंडी में 35,717 मीट्रिक टन धान की खरीद दर्ज की गई है। अन्य मंडियों में अरनौली में 3,453 मीट्रिक टन, भागल में 3,309 मीट्रिक टन, धनौरी में 173 मीट्रिक टन, गुहला चीका की पुरानी मंडी में 20,317 मीट्रिक टन, कैथल की पुरानी मंडी में 3,485 मीट्रिक टन तथा कैथल की नई मंडी में 28,854 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है।इसी प्रकार कलायत मंडी में 7,139 मीट्रिक टन, कांगथली में 2,142 मीट्रिक टन, कौल में 5,432 मीट्रिक टन, पाई में 6,464 मीट्रिक टन, राजौंद में 3,280 मीट्रिक टन, रामथली में 8,369 मीट्रिक टन तथा सीवन मंडी में 10,750 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। चीका में बाबू राम राइस मिल के सामने स्थित खरीद केंद्र पर 979 मीट्रिक टन और गंगोत्री मार्बल के सामने स्थित केंद्र पर 6,093 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है।

प्रदेश के 700 स्कूलों की नई बिल्डिंग एक साल में बनवाई जाएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर दिया जोर

- **719 उत्कृष्ट विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, आईसीटी लैब और आधुनिक भवनों से संबंधित कार्यों की समीक्षा की**
- **कंडम स्कूलों के स्थान पर नए भवन बनवाने, सभी नए भवनों की छतों पर सोलर सिस्टम लगवाने, शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने पर विशेष ध्यान**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में कंडम हो चुके लगभग 700 स्कूलों में नए भवन बनाने का कार्य टेंडर करके जल्द से जल्द करवाया जाए। भवन निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि बच्चों को पढ़ाई का बेहतर वातावरण मिल सके। स्कूलों के नए भवनों में प्राकृतिक रूप से हवा के आवागमन वाले व नई स्पेशिफिकेशन के डिजाईन को अपनाया जाए। प्रत्येक स्कूल पर सोलर सिस्टम लगवाया जाए ताकि बच्चों को गर्मी में असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि इन सभी स्कूलों के भवनों का निर्माण अगले एक साल में अवश्य पूरा कर लिया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा सहित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था, कंडम भवनों के पुनर्निर्माण, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षकों के रिक्त पदों, डिजिटल शिक्षा तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यालयों के आधुनिकीकरण और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

हरियाणा में चल रहे हैं 14297 सरकारी स्कूल:

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया ने बताया कि प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा कुल 14297 स्कूल चलाए जा रहे हैं। इनमें से हर 5 किलोमीटर पर सीएम ईईई (मुख्यमंत्री उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं प्रारंभिक शिक्षा) तथा हर 10 किलोमीटर पर पीएम श्री व राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों सहित कुल 719 उत्कृष्ट विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार नए भवनों के निर्माण, मरम्मत, आईसीटी लैब की स्थापना, प्रत्येक स्कूल में कम से कम एक टू-वे कम्यूनिकेशन सिस्टम, शिक्षकों की रिक्तियों को भरने तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

सभी 719 उत्कृष्ट स्कूलों में कंप्यूटर लैब बनेगी:

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी 719 उत्कृष्ट स्कूलों में कम से कम 10 कंप्यूटर की एक आईसीटी लैब इसी वर्ष स्थापित करवाई जाए। इसके लिए उन्होंने हारट्रोन को कंप्यूटर खरीद की प्रक्रिया जल्द

पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन सरकारी स्कूलों में जलभराव की समस्या है वहां समस्या का स्थाई समाधान करवाया जाए। इसके लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली भी अपनाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा विभाग को समय-समय पर जो निर्देश दिए जाते हैं उन पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाए।

सभी स्कूलों में पीने के पानी की जांच के निर्देश:

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 14297 स्कूलों में पीने के पानी की जांच करवाई जाए। जिन स्कूलों में पानी की गुणवत्ता मानकों से कम है उन स्कूलों की सूची उपलब्ध करवाई जाए ताकि उन सभी स्कूलों को पेयजल आपूर्ति करने वाले विभाग के माध्यम से पानी की गुणवत्ता ठीक करवाई जा सके। जहां जरूरत होगी वहां आरओ सिस्टम भी लगवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों के स्कूलों में अतिरिक्त उपायुक्त के माध्यम से जरूरी कार्यों करवाए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने वित्त विभाग को सभी जिलों में एक-एक करोड़ रुपये की राशि भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक जिला में करवाए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक पोर्टल बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त उपायुक्त व शिक्षा विभाग प्रति माह स्कूलों में सुधार कार्यों की समीक्षा करें तथा वे स्वयं प्रत्येक 3 माह में विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

पौधारोपण अभियान में लगाए 10 लाख पौधे:

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेशव्यापी पौधारोपण अभियान में स्कूली विद्यार्थियों और शिक्षकों की भागीदारी से प्रदेश के 13,126 विद्यालयों के 11,77,766 विद्यार्थियों और 74,419 शिक्षकों के माध्यम से कुल 10,47,122 पौधे लगाए गए। यह पहल विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यालयों में हरित वातावरण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा व पालन-पोषण भी सुनिश्चित किया जाए।

इन मामलों की भी की समीक्षा:

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन स्कूलों के ऊपर से हाईटेंशन तारें गुजर रही हैं उन्हें हटवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में खेलों का सामान भी प्राथमिकता के आधार पर टेंडर करके भिजवाया जाए ताकि स्कूली स्तर से ही बच्चों में खेल की भावना पैदा हो सके। उन्होंने स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने, पार्टटाईम स्वच्छता कर्मियों के अनुबंध, गैर-शिक्षक कार्यों के लिए अलग से कैडर बनाने, शिक्षकों के मेडिकल व एलटीसी बिलों की स्थिति की भी समीक्षा की और इनके संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया, हारट्रोन के प्रबंध निदेशक श्री यश गर्ग, शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्री जितेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के उप-प्रधान सचिव डॉ. यशपाल सिंह तथा वित्त विभाग के विशेष सचिव कैप्टन मनोज कुमार, प्राथमिक शिक्षा की निदेशक श्रीमती मनीता मलिक तथा शिक्षा परिषद के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर स्वप्निल पाटिल, सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वैच्छिक रूप से पढ़ाने के इच्छुक स्वयंसेवियों को मिलेगा स्कूलों में पढ़ाने का अवसर, मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया पोर्टल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में शिक्षा विभाग के 'स्वयंसेवक शिक्षक पंजीकरण पोर्टल' की लॉन्चिंग की जिसके माध्यम से स्कूलों में स्वैच्छिक रूप से पढ़ाने के इच्छुक स्वयंसेवी अपना पंजीकरण करवा सकेंगे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा सहित शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाज में अनेक सेवानिवृत्त शिक्षक, एक्स-सर्विसमैन तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति अपने खाली समय का समाजहित में सदुपयोग करने के लिए सरकार के विभिन्न कार्यों से जुड़ने के लिए इच्छुक रहते हैं। ऐसे समाजसेवी व स्वैच्छिक रूप से सेवा देने के इच्छुक व्यक्तियों को शिक्षा विभाग में शैक्षणिक कार्यों से जोड़ने के लिए लॉन्च किया गया यह पोर्टल प्रदेश में शिक्षकों की कमी को भी दूर करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त शिक्षकों, पढ़ाने के इच्छुक एक्स-सर्विसमैन, बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों तथा सेवाभाव से शिक्षण कार्य करने वाले व्यक्ति इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकृत स्वयंसेवियों में से उपयुक्त व योग्य व्यक्तियों के चयन के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की जाएगी।

परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक 91 गीगावाट बढ़ाने 15 लाख करोड़ की जरूरत- सीईए

सीईए चेयरमैन ने निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली ।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बुधवार को घोषणा की कि भारत को 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए अनुमानित 15 लाख करोड़ रुपए के भारी निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को अनिवार्य बताया। प्रसाद ने भारतीय बिजली क्षेत्र को एआई सक्षम बनाने पर आयोजित एक विचार-मंथन कार्यक्रम में बताया कि वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता लगभग 8.8 गीगावाट है, जिसे 2030-31 तक 22 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने जोर दिया कि परमाणु ऊर्जा बिजली का एक स्थिर और विश्वसनीय स्रोत है, जो चौबीसों घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह 2035-36 तक अनुमानित 459 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि मौजूदा 274 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का योगदान केवल 29.2 फीसदी है। चेयरमैन के अनुसार 100 गीगावाट के कुल लक्ष्य में से 46 गीगावाट क्षमता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के माध्यम से पूरी की जाएगी। यह निवेश और भागीदारी देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मस्क से पहले सैटकॉम शुरू करना चाहते हैं मित्तल, कहा- कतार में आगे हैं हम!

पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार

नई दिल्ली ।

भारत में उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं के बाजार में प्रतिद्वंद्विता और जुबानी जंग तेज हो गई है। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने बुधवार को कहा कि उनका उद्यम यूटेलसैट वनवेब, अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक से देश में सेवाएं शुरू करने की मंजूरी पाने की कतार में काफी आगे है। यह बयान मस्क द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर स्टारलिंक को रोकने के लिए एकाधिकार बनाए रखने के आरोपों के जवाब में आया है। मित्तल ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में कहा कि उन्होंने पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उनका ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार है और उपग्रह पांच साल से भारत के ऊपर चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें खुशी होगी अगर वनवेब को मस्क से कम से कम कुछ दिन पहले सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल जाए, क्योंकि वे उनसे कतार में बहुत आगे हैं। हाल ही में, एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि कुछ प्रभावशाली उद्योगपति भारतीयों पर एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं और इसी वजह से वे स्टारलिंक को भारत में आने से रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को भारत का असली बॉस तक पूछ लिया था। मस्क के इन आरोपों पर संचार मंत्रालय ने अगले ही दिन जवाब देते हुए कहा था कि नियामकीय ढांचे या उसके क्रियान्वयन को अनुचित या भेदभावपूर्ण बताने वाली बात का कोई आधार नहीं है और यह गलतफहमी पर आधारित है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पिछले सप्ताह स्पष्ट किया था कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। यह पूरा घटनाक्रम भारत के महत्वाकांक्षी सैटकॉम बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करता है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें जस की तस

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को भी उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कीमतों में कोई नई राहत नहीं दी है। देश भर में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं।

ओएमसी हर सुबह 6 बजे एलपीजी दरों को अपडेट करती हैं, लेकिन बुधवार को इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपये पर स्थिर है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये और कोलकाता में 968.00 रुपये में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। पटना जैसे शहरों में घरेलू सिलेंडर अभी भी 1,000 रुपये से अधिक (1,031.50 रुपये) में बिक रहा है, जिससे आम जनता की जेब पर बोझ बना हुआ है। इसी तरह होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। दिल्ली में यह 2,810 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 251, निफ्टी 99 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे ज्यादा बिकवाली फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्रों में रही जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 251.89 अंक फिसलकर 72,781.89 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.25 अंक नीचे आकर 22,622.70 के स्तर पर बंद हुआ हालांकि आईटी शेयरों में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक रोका। बाजार जानकारों के अनुसार, सुबह के कारोबारी सत्र में निफ्टी एक बार 22,700 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा था, लेकिन ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली और बिकवाली के दबाव के चलते यह अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सका। मुनाफावसूली के चलते सूचकांक एक समय गिरकर 22,558.95 के निचले स्तर तक चला गया था, लेकिन कारोबार के आखिरी घंटों में आई हल्की खरीदारी ने बाजार को थोड़ा सहारा दिया, जिससे यह अपने दिन के निचले स्तरों से कुछ ऊपर बंद हुआ। आज के कारोबारी सत्र में सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स में सबसे बड़ी

गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर दोनों ही अपने संबंधित सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे कमजोर साबित हुए, जो बाजार की समग्र गिरावट के मुख्य कारणों में से एक था। इसके विपरीत, बाजार की गिरावट के बावजूद इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स आज सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाला सेक्टोरल इंडेक्स रहा, जिससे बाजार को कुछ हद तक संतुलन बनाए रखने में मदद मिली। दिग्गज शेयरों की स्थिति पर नजर डालें तो सेंसेक्स की टॉप 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी बढ़त के साथ बंद हुए। यह दिखात है कि आईटी और कुछ अन्य क्षेत्रों में निवेशकों का भरोसा बना रहा।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की तेजी के साथ ही 95.06 पर बंद हुआ। रुपया बुधवार आज सुबह शुरुआती कारोबार में 44 पैसे मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से डॉलर की निकट अवधि की मांग कम होने और विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी पर अंकुश लगने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में करीब दो फीसदी की मजबूती आई है। बुधवार को भी कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रही। इसकी मुख्य वजह बाजार में उतार-चढ़ाव सीमित करने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए आरबीआई द्वारा लागू किए गए नियामकीय उपाय हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.05 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 44 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बी, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 102.11 पर रहा।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग में 20 फीसदी उछाल

मजबूत मांग से 7,225 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट की प्रमुख कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 7,225 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि आवासीय क्षेत्र में मजबूत मांग और स्थापित व प्रतिष्ठित ब्रांड्स पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई।

बेंगलुरु स्थित इस रियल एस्टेट दिग्गज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसके आवासीय कारोबार की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले सालाना आधार पर 20 प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान कंपनी ने 58.4 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैली 3,910 आवासीय इकाइयां बेचीं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की कुल बिक्री बुकिंग 13,804.3 करोड़ रुपये रही, जिसमें 1.18 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 7,247 इकाइयों की बिक्री शामिल है। प्रेस्टीज समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे आवासीय कारोबार में मांग लगातार अच्छी बनी हुई है। खास बात यह है कि हमारी नई परियोजनाओं को भी शानदार प्रतिक्रिया मिली है, यहां तक कि वे परियोजनाएं जो तिमाही के अंत में शुरू की गई थीं। प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की एक अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी है जो प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक, खुदरा, आतिथ्य और एकीकृत टाउनशिप परियोजनाओं का निर्माण करती है।

थोक मुद्रास्फीति में भारी उछाल, सितंबर में 11.39 फीसदी पर पहुंची

खाद्य पदार्थों, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर 2026 में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 11.39 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, जो अगस्त में दर्ज 9.92 प्रतिशत से काफी अधिक है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं बिजली तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने समग्र थोक महंगाई दर को ऊपर धकेल दिया है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.66 प्रतिशत हो गई। इसी तरह, विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक-आधारित मुद्रास्फीति 9.76 प्रतिशत के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो अगस्त में 8.37 प्रतिशत थी। ईंधन एवं बिजली की महंगाई भी 22.93 प्रतिशत से बढ़कर 25.85 प्रतिशत रही।

खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयले, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही जारी है।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में

संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया था।

गौरतलब है कि थोक महंगाई के साथ-साथ खुदरा महंगाई भी सितंबर में 23 महीने के उच्चतम स्तर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है।

त्योहारी सीजन में 7 लाख करोड़ से अधिक व्यापार का अनुमान- कैट

दुर्गा पूजा से शुरू हुई रौनक, दिवाली तक बाजार में दिखेगी बंपर खरीदारी

नई दिल्ली ।

देशभर में त्योहारी सीजन की धूम के साथ ही कारोबारियों के चेहरों पर भी रौनक आ गई है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल नवरात्रि से लेकर दिवाली तक 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल के मुकाबले काफी बेहतर रहने वाला है।

कैट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन के दौरान देशभर में 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा पिछले साल के करीब 6.05 लाख करोड़ रुपए (जिसमें 5.40 लाख करोड़ का सामान और 65,000 करोड़ की सेवाएं शामिल थीं) के मुकाबले 15 से 18 फीसदी अधिक होगा।

कैट के एक अधिकारी ने

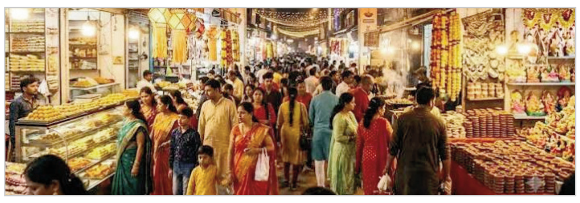

बताया कि बाजार में अच्छी मांग के चलते यह वृद्धि संभव है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा की शुरुआत हो चुकी है, वहीं उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक खरीदारी का सिलसिला तेज होने की संभावना है। करवा चौथ, धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती और तुलसी विवाह जैसे कई त्योहारों के चलते व्यापारिक गतिविधियों में लगातार तेजी बनी रहेगी।

चीन के साथ संबंध फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयास कर रहा भारत- गोयल

वाणिज्य मंत्री ने कहा- उचित शर्तों पर सभी देशों से सहयोग को तैयार

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत चीन के साथ अपने संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है, हालांकि इस यात्रा का अंतिम पड़ाव अभी अनिश्चित है। 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम' में उन्होंने दोहराया कि भारत उचित शर्तों, सतत जुड़ाव और स्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी देश के साथ संयुक्त उद्यम के लिए तैयार है। गोयल ने स्वीकार किया कि अतीत में चीन के साथ भारत की कुछ चिंताएं रही हैं। गोयल की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.9 फीसदी बढ़कर 127.7 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 36.62 फीसदी बढ़कर 19.47 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन से आयात 16 फीसदी बढ़कर 131.62 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 99.19 अरब डॉलर हो गया, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। चीन से निवेश को लेकर भी भारत ने भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले एफडीआई के लिए नियम सख्त किए हैं।

एशियाई देशों को जापान का रेड अलर्ट, तेल भंडार मजबूत करने की अपील

पश्चिम एशिया तनाव से आपूर्ति बाधित होने की आशंका

टोक्यो । एशिया के सबसे बड़े तेल आयातक जापान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के खतरे के मद्देनजर एशियाई देशों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। जापान ने सभी एशियाई देशों से अपने आपातकालीन तेल भंडार मजबूत करने और संभावित संकट से निपटने के लिए साझा रणनीतियां अपनाने की अपील की है। जापान के उद्योग मंत्री योंसेई अकाजावा ने तेल उत्पादक और आयातक देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए चेताया कि संकट से पहले तेल भंडार मजबूत करना आवश्यक है। जापान ने रियाद में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच और मनीला में एजीक की बैठकों में ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इसके तहत, एशियाई देश आपूर्ति बाधित होने पर साझा भंडारण और आपातकाल में तेल जारी करने की व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। जापान ने खुद को मध्य पूर्व के तेल उत्पादक और एशियाई आयातक देशों के बीच सहयोग का सेतु बनने की पेशकश भी की है। एशिया ज़ीरो एमिशन कम्युनिटी (एजेडईईसी) के सदस्य देशों ने भी तेल भंडार मजबूत करने की कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। यह रणनीति स्वच्छ ऊर्जा योजनाओं को छोड़े बिना, तात्कालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संकट के दौरान अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने पर केंद्रित है। जापान की इस व्यापक पहल का उद्देश्य ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

रूसी डीजल समझौते पर ट्रंप घिरे, वैश्विक बाजार को ठहराया वजह

सांसदों ने करार को 'दुश्मन को तोहफा' और 'सहयोगियों से विश्वासघात' बताया

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ हुए डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर द्विदलीय आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि रूस से मिलने वाला यह ईंधन वैश्विक बाजार में ऊंची कीमतों को स्थिर करने के लिए है, न कि सीधे अमेरिका के लिए। इस समझौते ने अमेरिकी कांग्रेस द्वारा रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले कानून के ठीक बाद विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने 9 अक्टूबर को 3 लाख टन से अधिक रूसी डीजल की आपूर्ति की घोषणा की, जिसके बाद कुल 18 लाख टन तक की खेपें होंगी। इन खेपों के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने अप्रैल 2027 तक रूसी डीजल पर वैश्विक प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी है। यह निर्णय नवंबर के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले आया है, जब ईरान युद्ध से डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने ट्रंप के इस कदम की कड़ी आलोचना की है। एक पत्र में उन्होंने इसे विरोधी को तोहफा और सहयोगियों से विश्वासघात बताते हुए तत्काल रद्द करने की मांग की। सांसदों ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हाल ही में रूस पर व्यापक प्रतिबंध कानून पारित किया था, जिसका उद्देश्य रूस पर आर्थिक दबाव बनाना था। ट्रंप फिर भी अपने फैसले पर कायम हैं, उनका

कहना है कि यह ईंधन पूरी दुनिया के लिए है, अमेरिका के लिए नहीं।

बैंक ऑफ अमेरिका पर 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा, बैंक की लापरवाही से वित्तीय प्रणाली में अवैध गतिविधियों का जोखिम बढ़ा

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बैंक ऑफ अमेरिका (बीओए) पर धनशोधन रोधी (एएमएल) और प्रतिबंध संबंधी कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए 1.2 अरब डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना वित्त मंत्रालय के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा है, जो बैंक की विफलता से अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के लिए पैदा हुए अवैध गतिविधियों के जोखिम को दर्शाता है।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे बड़े बैंकों की विफलता के गंभीर परिणाम होते हैं और यह अमेरिकी वित्तीय प्रणाली को अवैध गतिविधियों के लिए खोल सकती है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी वित्तीय संस्थान कानून से ऊपर नहीं है। मंत्रालय के वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (फिनसीईएन) ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों को कम करने व रिपोर्ट करने में बैंक की विफलता को जुर्माने का आधार बताया। इनमें चीन के धनशोधन नेटवर्क और अमेरिकी सीमा पर अवैध वित्तीय गतिविधियां शामिल थीं। बीओए ने ईरान, रूस और आतंकवाद से जुड़े प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए 1.16 करोड़ डॉलर के समझौते पर भी सहमति दी। बैंक ने 1970 के बैंक गोपनीयता कानून का जानबूझकर उल्लंघन करना स्वीकार किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने बयान में कहा कि वह वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है और नियामक मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक मांग से चीन का निर्यात उछला, यूरोप से व्यापार संतुलन पर बढ़ा दबाव

चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग । चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़कर अर्थशास्त्रियों की उम्मीदों को पार कर गया, जिससे देश का व्यापार अधिशेष काफी बढ़ गया। हालांकि, इस शानदार वृद्धि के बावजूद, यूरोपीय संघ सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की ओर से व्यापार असंतुलन को संतुलित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार सितंबर में निर्यात में यह वृद्धि अगस्त के 25 प्रतिशत से भी तेज रही। वहीं आयात में भी 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो अगस्त के 28.2 प्रतिशत से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, सितंबर में चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 133.5 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 119.1 अरब डॉलर था। वर्ष के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में कुल व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और यह पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर सकता है। सेमीकंडक्टर और कारों जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजबूत निर्यात ने इस वर्ष चीन की कुल आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है, हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के चलते घरेलू खपत और निवेश सुस्त बने हुए हैं। बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट की एकातेरिना बिगोस ने चेतावनी दी है कि चीन के निर्यात की मजबूती के सामने अब चुनौतियां बढ़ रही हैं, खासकर यूरोपीय संघ द्वारा उच्च मूल्य वाले निर्यात को निशाना बनाने की पहल के कारण। 27 देशों का यूरोपीय संघ चीन के साथ प्रतिदिन 1.1 अरब डॉलर से अधिक के व्यापार घाटे को कम करने में खास मुश्किलों का सामना कर रहा है। हाल ही में, यूरोपीय संघ के व्यापार प्रमुख मारोस सेफकोविच की बीजिंग यात्रा के दौरान, चीन के साथ हाइब्रिड कारों के आयात को अगले कुछ वर्षों में आधा करने पर समझौता हुआ है।

मोदी मंत्रिमंडल के अहम फैसले : रेलकर्मियों को दीपावली की सौगात,

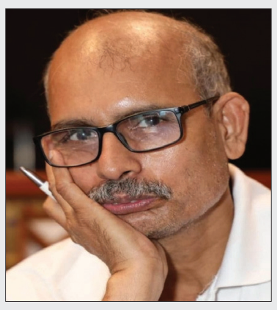

विनोद सिंह 'तकियावाला'

14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं।रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बैंक के विनिवेश से आर्थिक सुधारों रेलकर्मियों के लिए करोड़ रुपये के उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी,वित्तीय सुधारों का नया अध्याय...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले देश की आर्थिक दिशा,प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जनकल्याण के प्रति सरकार की सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। 14 अक्टूबर 2026 को हुई बैठक में भारतीय रेल के 11.40 लाख से अधिक पात्र कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-संबद्ध बोनस को मंजूरी देना और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना विशेष महत्व रखता है। एक ओर दीपावली से पहले रेलकर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत देने का निर्णय है, तो दूसरी ओर बैंकिंग क्षेत्र में बड़े निवेश और प्रबंधन संबंधी बदलाव का रास्ता खुलता दिखाई देता है। इन दोनों फैसलों के केंद्र में अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं, लेकिन व्यापक दृष्टि से देखें तो इनका संबंध आर्थिक गतिविधियों,संस्थागत कार्यकुशलता और विकास की निरंतरता से जुड़ता है।

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के बोनस की सौगात भारतीय रेल केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने से लेकर उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तक, रेलवे की भूमिका देश के विकास में महत्वपूर्ण है। इस विशाल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लाखों कर्मचारियों का योगदान रहता है।रेलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन, पटरियों का रखरखाव, तकनीकी व्यवस्थाओं का संचालन, स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता और मालगाड़ियों की आवाजाही जैसे कार्यों में कर्मचारियों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन के आधार पर लगभग 11,40,770 पात्र रेलकर्मियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी दी है। इस पर कुल 2,009.61 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 17,951 रुपये तक बोनस मिलेगा। यह निर्णय त्योहार के मौसम में कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत के साथ उनके परिश्रम और योगदान को सम्मान देने का भी संदेश देता है।

वर्तमान समय में परिवारों के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और दैनिक जरूरतों से जुड़े अनेक खर्च हैं।ऐसे में दीपावली से पहले मिलने वाली अतिरिक्त राशि से रेलकर्मियों को अपने घरेलू बजट को व्यवस्थित करने और त्योहार की तैयारियां करने में सहायता मिलेगी। लाखों परिवारों तक पहुंचने वाली यह राशि बाजार में मांग बढ़ाने में भी योगदान दे सकती है। त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना रहती है उत्पादकता- संबद्ध बोनस का महत्व केवल आर्थिक भुगतान तक सीमित नहीं है। यह कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। रेलवे में सुरक्षा और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। आधुनिक तकनीक, नई रेल लाइनों, विद्युतीकरण और उन्नत परिचालन प्रणालियों के साथ कर्मचारियों का प्रशिक्षण, अनुभव और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।पिछले वर्षों में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां, आवश्यक प्रशिक्षण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। बोनस जैसे निर्णय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।इसके साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार और यात्रियों के प्रति जवाबदेही बनाए रखना भी आवश्यक है।आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से बड़ा बदलाव

मंत्रिमंडल की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से संबंधित है।सरकार ने फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी को बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्वीकृति दी है। इस सौदे के तहत केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 52,878.08 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। घोषित सौदे के अनुसार, शेयर का मूल्य 81 रुपये निर्धारित किया गया है, जो स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर तय 75.99 रुपये के संदर्भ मूल्य से अधिक है। लेनदेन पूरा होने के बाद सरकार और एलआईसी की संयुक्त हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रहने की जानकारी दी गई है।यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की भूमिका, निजी निवेश और वित्तीय संस्थानों की कार्यकुशलता से जुड़ी व्यापक बहस को फिर सामने लाता है। रणनीतिक विनिवेश का उद्देश्य केवल सरकारी हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं, बल्कि किसी संस्थान को पूंजी, प्रबंधन क्षमता और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से अधिक सक्षम बनाने की संभावनाओं से भी जुड़ा होता है।

बदलते बैंकिंग परिदृश्य में डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों को त्वरित सेवाएं, ऋण वितरण और जोखिम प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बैंक के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना, ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करना आवश्यक है।यदि रणनीतिक निवेश से इन क्षेत्रों में सुधार होता है, तो इसका लाभ बैंक की दीर्घकालिक स्थिति को मजबूत करने में मिल सकता है।

हालांकि,इतने बड़े सौदे की सफलता का आकलन केवल सरकार को प्राप्त होने वाली राशि से नहीं किया जाना चाहिए। बैंक के जमाकर्ताओं की सुरक्षा, कर्मचारियों के हित, ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता भी महत्वपूर्ण हैं।नियामकीय शर्तों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सौदे को पूरा करना आवश्यक होगा। यह भी देखना होगा कि स्वामित्व और प्रबंधन में बदलाव के बाद बैंक अपनी सेवाओं को किस प्रकार बेहतर बनाता है।कर्मचारी कल्याण और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन रेलवे बोनस और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को एक साथ देखने पर सरकार की दो अलग-अलग नीतिगत प्राथमिकताएं सामने आती हैं। रेलवे कर्मचारियों को बोनस देने का निर्णय उनके योगदान को सम्मानित करने और त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता पहुंचाने से संबंधित है। वहीं आईडीबीआई बैंक के विनिवेश का उद्देश्य संस्थागत ढांचे और प्रबंधन में बदलाव के माध्यम से बैंक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना है।भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में विकास की गति बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, उद्योगों का विस्तार, रोजगार के अवसर और मजबूत वित्तीय संस्थान आवश्यक हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों के हितों और आम नागरिकों की जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आर्थिक सुधार तभी सार्थक होंगे, जब उनका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे और संस्थानों के प्रति जनता का विश्वास बना रहे।

रेलवे में कर्मचारियों की कार्यकुशलता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। दूसरी ओर, बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रबंधन सुधार से वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने की संभावना है। दोनों ही मामलों में घोषणाओं से आगे बढ़कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण,निवेश को प्रोत्साहन और आर्थिक सुधारों को विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया है। इन प्रयासों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उनसे रोजगार, उत्पादकता, सेवाओं की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आता है।अंततः 14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं।रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

संपादकीय

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या बताती है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुखर होने वाले जिम्मेदार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन को गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टैबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सरेआम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना बताती है कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी परेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मृतक के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबंधित कैप्सूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन परविंदर सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में घुमाया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंदर के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बठिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की भी हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई?

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ।

जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

पटाखों पर प्रतिबंध नहीं, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी

सौरभ वार्ष्णेय

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए परेशानी पैदा करे। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उडे वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रदूषण को प्रभावित करती हैं। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

प्रदूषण का संकट किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उत्साह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है।

यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्त्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है। यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनसीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्त्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी संकेत दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। केवल प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी आवश्यक है कि नियमों का पालन कैसे कराया जाएगा, उल्लंघन करने वालों पर किस प्रकार कार्रवाई होगी और आम लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की क्या व्यवस्था होगी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची द्वारा पटाखे फोडे के धार्मिक आधार पर सवाल उठाना भी विचारणीय है। भारतीय परंपराओं में दीपावली का प्रमुख संदेश अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। दीप जलाना, पूजा करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और परिवार तथा समाज के साथ खुशियां बांटना इस पर्व की व्यापक सांस्कृतिक भावना को व्यक्त करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि परंपराओं को समय, परिस्थिति और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुरूप समझा जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने लोगों को जागरूक करने और अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उस परंपरा का उल्लेख किया जिसमें दीप जलाने और फुलझडियां जलाने जैसे सीमित साधनों से उत्सव मनाया जाता था। इसका आशय उत्सव की खुशियों को समाप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा स्वरूप देना है जिससे दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पिछले वर्ष दीपावली से पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का स्तर 200 के पार पहुंचने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में निर्धारित शर्तों के तहत ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, ग्रीन पटाखों को प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त मान लेना भी उचित नहीं होगा। उनका वास्तविक प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और इस्तेमाल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए केवल किसी उत्पाद को ग्रीन पटाखा कह देना पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रामाणिकता की जांच, बिक्री पर निगरानी और निर्धारित समय तथा स्थान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय होना चाहिए। बाजारों में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने के साथ-साथ लोगों को नियमों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

लोकतंत्र का गला घोटने का शातिराना प्रयास

निर्मल रानी

चुनावी धांधली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजधानी दिल्ली लगातार प्रदर्शनों से जूझ रही है। 10 अक्टूबर को जहां कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्षी दलों के समर्थन से जंतर मंतर सहित दिल्ली के कई प्रमुख स्थलों पर बड़े प्रदर्शन किये वहीं 12 अक्टूबर का दिन विपक्षी इण्डिया गठबंधन द्वारा बुलाये गए विशाल रैली व प्रदर्शन के नाम रहा। 12 अक्टूबर के इस अभूतपूर्व प्रदर्शन को विपक्षी दलों की सबसे बड़ी रैली व प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इस रैली व प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गाँधी,प्रियंका गाँधी,विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव , एन सी पी नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत, सी पी आई एम एल के दीपांकर भट्टाचार्य,आर जे डी के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी आदि अनेक बड़े नेता शामिल हुये। इस प्रदर्शन के दौरान भी जब दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर नेताओं को रोकने की कोशिश की, तो अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में भी लिया। बाद में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले को लेकर याचिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

इस प्रदर्शन को रोकने या इसे विफल करने के लिये सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किये गए। बल प्रयोग से लेकर,सड़कों पर नुकीली कीलें बिछाने, प्रदर्शनकारियों से लेकर अनेक आम राहगीरों तक को गिरफ़्तार करने की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। कनाट प्लेस से लेकर संसद भवन तक का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। देश के इतिहास का यह पहला प्रदर्शन था जिसे कवर करने से रोकने की गरज से अनेक प्रमुख मीडिया घरानों के पत्रकारों से लेकर कई स्वतंत्र व सोशल मीडिया जर्नलिस्ट्स व यू ट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया गया। कई के साथ मारपीट भी की गयी। बी बी सी सहित अनेक पत्रकारों के साथ पुलिस बदसलूकी से पेश आती दिखाई दी। जिन मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को दिल्ली में प्रदर्शन कवर करने के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था उनमें बिजनेस स्टैंडर्ड,नवभारत टाइम्स,रॉयटर्स के अलावा स्क्रॉल, न्यूज लॉन्ड्री,बूम,एमओ,मॉलिटिक्स इंडिया,उल्टा चश्मा आदि के कई पत्रकार शामिल हैं। जाने माने पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता को भी दिल्ली में जबरन हिरासत में लिया गया जबकि ऑल्ट न्यूज के पत्रकार को अहमदाबाद में व स्क्रॉल के एक अन्य पत्रकार को पुणे में हिरासत में लिया गया। नवरात्रि के पहले ही दिन हो रहे इस आंदोलन में कई महिला पत्रकारों को पीटा,घसीटा गया और हिरासत में लिया गया। यहाँ तक कि कई महिला पत्रकारों ने तो पुलिस पर यौन हमले का भी आरोप लगाया। सवाल यह है कि क्या जनहित के कार्यक्रमों को कवर करना कोई अपराध है जिसकी वजह से पुलिस को यह सब करना पड़ा ? जबकि इस प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए पत्रकार पेशेवर तरीके से अपना काम अंजाम दे रहे थे? भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और प्रेस की स्वतंत्रता को भी इसी अनुच्छेद का हिस्सा माना गया है। ऐसे में कानून व्यवस्था के नाम पर इस तरह का तानाशाही रवैय्या गैर संवैधानिक नहीं तो और क्या है ? क्या इसी भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल मदर ऑफ डेमोक्रेसी, बताया था बल्कि अपनी बातों के समर्थन में मीडिया से जुड़े कुछ आंकड़े भी बताए थे?

पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान जंतर मंतर,कनॉट प्लेस व संसद मार्ग आदि कई जगहों पर जिसतरह से पत्रकारों के साथ पेश आया गया उसने तो उस आपातकाल के जुल्म को भी पीछे छोड़ दिया जिसे लेकर वर्तमान सरकार कांग्रेस को आज भी घेरती रहती है। लोकतान्त्रिक सरकार होने का दावा करने वालों को यह बताना होगा कि जब भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है ऐसे में उन्हें अपने दायित्व निभाने से रोकने के क्या मायने हैं ? साफ जाहिर है कि सरकार देश में फैले सत्ता विरोधी जनाक्रोश को देश व दुनिया से छुपाना चाहती है। वह नहीं चाहती कि दुनिया को यह पता चले कि चुनावी धांधलियों के खिलाफ देश के लोग खासकर युवा किस तरह सरकार का विरोध करते हुये सड़कों पर उतर आये हैं। और वह यह भी नहीं चाहती कि इस आंदोलन को कुचलने के लिये सरकार के इशारे पर की जा रही बर्बर पुलिस कार्रवाई को दुनिया देख सके। यही वजह है कि जहाँ दर्जनों पत्रकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया,अनेक पत्रकारों के साथ बदसलूकी,मारपीट की कई महिला पत्रकारों के साथ अशोभनीय हरकतें कीं वहीं दर्जनों पत्रकारों को प्रदर्शन स्थल तक जाने से भी रोका गया।

एक और नई बात इस प्रदर्शन में यह भी देखने को मिली कि सत्ता प्रायोजित दर्जनों लोग पत्रकार की वेश में हाथों में माइक लिये इधर उधर घूमते नजर आये। यह लोग प्रदर्शन की रिपोर्टिंग करने या प्रदर्शनकारियों से बात करने के बजाये उन पत्रकारों को ही घेर कर सवाल पूछने लगते जोकि घटना की रिपोर्टिंग कर रहे या प्रदर्शनकारियों से सवाल पूछ रहे थे। ये उन पत्रकारों का ही इंटरवियू लेते व उन्हें बहस में उलझा कर सत्ता को सही ठहरने व प्रदर्शनकारियों को ही कटघरे में खड़ा करने की बातें करते। जिसकी वजह से वह पत्रकार असहज महसूस करते और उन्हें रिपोर्ट करने में अड़चन पैदा होती। यह ढर्रा कई बार कई जगहों पर देखा गया। गोया जानबूझकर एक ऐसी प्रवृति अपनाई गयी जिससे या तो पुलिसिया कहर से मीडिया कर्मी भयभीत होकर स्वयं रिपोर्ट करना छोड़ दें या उन्हें पकड़ कर प्रदर्शनस्थल से दूर ले जाया जाये या फिर उन्हें नकली पत्रकारों के झुण्ड में घेरकर उन्हीं से दस सवाल पूछकर उलझाये रखा जाये ताकि वे वास्तविकता को देख न सकें व उसकी रिपोर्ट न कर सकें। इसके अतिरिक्त कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल पर ही भारी पुलिस बल द्वारा अनेक पत्रकारों को रोका गया ताकि वे जंतर मंतर या धरने के करीब जा भी न सकें। याद रखना चाहिये कि चुनावी धांधलियों के चर्चे भी पूरी दुनिया में हो चुके हैं और हो रहे हैं साथ ही विश्व पंचायत संयुक्त राष्ट्र भी अपनी चिंताएं जाहिर कर चुका है। जो सरकार पहले ही देश के मीडिया के बड़े हिस्से को किसी न किसी रूप में प्रबंधित कर चुकी है उसके द्वारा चंद ईमानदार पत्रकारों व स्वतंत्र पत्रकारों पर नियंत्रण कर देश के वास्तविक हालात पर पर्दा डालने की कोशिश करना लोकतंत्र का गला घोंटने का एक और शातिराना प्रयास है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनावः जनता ट्रंप से नाराज...सुरक्षित सीटों पर भी कड़ा मुकाबला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में बस तीन हफ्ते का समय बचा है और ओपिनियन पोल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता लगातार घटती जा रही है। ट्रंप की नीतियों, ईरान युद्ध और कमरतोड़ महंगाई के कारण अमेरिकी जनता खासे गुस्से में है। हाल ये है कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का सुरक्षित गढ़ मानी जाने वाली सीटों पर ही संकट मंडराने लगा है। असमंजस में घिरे ट्रंप की पार्टी के नेताओं को डेमोक्रेट के गढ़ों में सेंध लगाने का सपना देखने के बजाय अपनी सुरक्षित सीटों पर ही जीत के लिए सारी ताकत झोंकनी पड़ रही है। अपनी ही पार्टी के घटते जनाधार और राष्ट्रपति की गिरती लोकप्रियता से परेशान निचले सदन प्रतिनिधि सभा के एक रिपब्लिकन उम्मीदवार ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ट्रंप पार्टी का बेड़ा गर्क कर रहे हैं। महीनों तक राष्ट्रपति से प्रमुख उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां करने का आग्रह करने वाले कुछ रिपब्लिकन नेता इस कदर चिंतित हैं कि उन्हें लगता है कि ट्रंप का चुनाव प्रचार में आना फायदे की जगह नुकसान पहुंचा रहा है।

जीती मानी गई सीटों पर बहा रहे करोड़ों डॉलर : कड़े मुकाबले वाली सीटों की संख्या अचानक बढ़ने से रिपब्लिकन नेताओं की वो योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, जिसके तहत आखिरी दौर में करोड़ों डॉलर खर्च करके अपनी बढ़त बनाना चाहते थे। ट्रंप समर्थक सुपर-पैक मागा इंक से भारी फंडिंग के बावजूद, पार्टी की किस्मत नहीं बदल सकी है। सारा पैसा उन सीटों को बचाने में चला जा रहा है, जिन्हें पहले ही जीती हुई माना गया था। बतौर उदाहरण, सीनेट चुनावों का सबसे बड़ा रिपब्लिकन सुपर-पैक सीनेट लीडरशिप फंड नॉर्थ कैरोलिना में अपने विज्ञापन रोककर कम से कम 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) कंसास राज्य में लगा रहा है, जबकि यह ऐसा राज्य है जिसने 1932 के बाद से किसी डेमोक्रेट को सीनेट में नहीं भेजा।

साउथ कैरोलिना जैसे गढ़ में मौजूदा सीनेटर डार्लिन ग्राहम को डेमोक्रेट उम्मीदवार एनी एंड्रयूज से पिछड़ने से बचाने के लिए 5 मिलियन डॉलर और दिए गए हैं। फंड ने टेक्सास में केन पैक्सटन को बचाने के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं जो डेमोक्रेट जेम्स टैलारिको से कड़े मुकाबले में फंसे हैं।

ट्रंप के राजनीतिक विज्ञापनों पर रोक : अमेरिका की एक कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया कि राष्ट्रपति के राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने के लिए करदाताओं के लाखों डॉलर से बने टीवी विज्ञापनों को रद करें। न्यूयॉर्क में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर एल रोचोन ने अस्थायी रोक का आदेश जारी किया, जिससे प्रशासन को बचे सभी विज्ञापन रद करने होंगे। एजेंसी

क्या होता है मध्यावधि चुनाव : अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। आखिर यह चुनाव क्या होता है और इसे कब कराया जाता है, इसी पर एक नजर...

निचले सदन के कितने प्रतिनिधि चुनेगी जनता : अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों के लिए हर दो वर्ष में चुनाव होते हैं। लेकिन जब ये चुनाव मौजूदा राष्ट्रपति के निर्वाचन के दो साल बाद यानी कार्यकाल के ठीक बीच में होते हैं तो इन्हें मध्यावधि चुनाव कहा जाता है। इस चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि निचले सदन में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा रहेगा या विपक्षी डेमोक्रेट हावी होंगे। अभी निचले सदन में 219 रिपब्लिकन और 214 डेमोक्रेट सांसद हैं। दो सीटें खाली हैं।

और किन प्रतिनिधियों का होगा चुनाव : प्रतिनिधिसभा सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होता है, जबकि कांग्रेस के ऊपरी सदन सीनेट के सदस्य छह साल के लिए निर्वाचित होते है। इनमें एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव हर दो साल में होता है।

ठ सीनेट में कुल 100 सदस्य होते हैं। इस बार मध्यावधि चुनाव में 35 सीनेट सदस्यों का चुनाव हो रहा है। इसके अलावा कई राज्यों में गवर्नर भी चुने जाने हैं। कैलिफोर्निया, लोरिडा, जॉर्जिया और मिशिगन के गवर्नर पद पर सबकी खास नजर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम के दावों के बीच यूक्रेन में रूस के हमले जारी, रिहायशी इमारत पर ड्रोन हमले में दो की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने सोमवार शाम एक बार फिर यूक्रेन पर घातक हमले किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की बात दोहराई। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस के हमले लगातार जारी हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''रूस लगातार हमारे लोगों के खिलाफ आतंक फैला रहा है। वह रिहायशी इमारतों पर हमले कर रहा है और लोगों की जान ले रहा है। सोमवार शाम के समय रूस ने कीव की एक ऊंची रिहायशी इमारत पर 'शाहेद' ड्रोन से हमला किया। अभी तक की जानकारी के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मैं उनके परिवारों और करीबियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। नौ लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव दल ने आग पर काबू पा लिया है।'' जेलेंस्की ने पोस्ट में आगे लिखा, ''यह एक और सबूत है कि रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की जरूरत है। लगातार क्रूर हमले वही कर रहा है। युद्ध को लंबा खींचने वाला भी वही है। यहां तक कि अमेरिका के प्रस्ताव के जवाब में भी रूस की ओर से 'शाहेद' ड्रोन हमले ही देखने को मिल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अमेरिका रूस की ओर से मिल रहे इन संकेतों को समझेगा और ठोस कदम उठाएगा। रूस को इस युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर करने के लिए मजबूती और सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

एशिया दौरे पर किम जोंग-उन से मिल सकते हैं ट्रंप, आसियान और एपेक में लेंगे हिस्सा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले महीने एशिया दौरे के दौरान उनकी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन से मुलाकात हो सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकार वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस यात्रा के दौरान किम से मिलने की योजना बना रहे हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'हां, हो सकता है।' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसी मुलाकात कहां और कब हो सकती है। व्हाइट हाउस के हवाले से न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप 16 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह चीन के शेनझेन जाएंगे, जहां 17 से 19 नवंबर तक एपेक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। चीन में ट्रंप की इस साल तीसरी बार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होने की उम्मीद है। ट्रंप पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वह किम जोंग-उन से दोबारा मिलना चाहते हैं। अगस्त में उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल के अंत तक उनकी किम से मुलाकात होगी। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वह 2026 में किम से मिलेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया था, 'हां, बिल्कुल मिलूंगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अगस्त में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट दी थी।

मस्क ने अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी को दिए 2,500 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए 27.6 करोड़ डॉलर (करीब 2,500 करोड़ रुपये) का चंदा दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की सोमवार की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से अब तक दिए गए इस चंदे से उन राज्यों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार अभियान को मजबूती मिली है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी से कड़ी चुनौती मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के चुनाव चक्र में मस्क अब तक रिपब्लिकन समूहों को कुल 36.6 करोड़ डॉलर दे चुके हैं। यह 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए उनके 29 डॉलर डॉलर के योगदान से भी अधिक है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेट लीडरशिप फंड को 15.8 करोड़ डॉलर दिए, जिसे रिपोर्ट में अमेरिकी राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा एकल राजनीतिक दान बताया गया है। इसके अलावा, उन्होंने रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय अमेरिका पीएसी को 7.6 करोड़ डॉलर, हाउस रिपब्लिकन के प्रमुख सुपर पीएसी को 2 करोड़ डॉलर और टेक्सास में सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन वाले समूह को 1 करोड़ डॉलर दिए। रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन को भी 10 मिलियन डॉलर मिले।

इल्हान उमर के घर एफबीआई की छापेमारीः भारत विरोधी हैं अमेरिकी सांसद, ट्रंप लगा चुके हैं भाई से शादी का आरोप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अपने भारत विरोधी रूख के लिए जानी जाने वाली डेमोक्रेटिक सांसद इल्हान उमर के वॉशिंगटन स्थित घर पर संघीय एजेंटों की तलाशी के बाद अमेरिका में सियासत गरमा गई है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जांच में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार करते हुए उमर पर तीखा हमला बोला है। दूसरी तरफ डेमोक्रेट नेताओं ने आरोप लगाया कि मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है।

ट्रंप ने उमर को बताया खराब इंसान : व्हाइट हाउस से ओहायो रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि न्याय विभाग मामले की जांच कर रहा है और उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, उन्होंने उमर पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से परहेज नहीं किया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उमर को हमेशा बेईमान पाया है। उन्होंने उन्हें शिकायत करने वाली नेता बताते हुए सोमालिया को लेकर भी विवादित टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा कि उमर ऐसे देश से आती हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है, और फिर अमेरिका आकर उसके संविधान की शिकायत करती हैं।

किस मामले में हुई उमर के घर तलाशी : अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस के अधिकारियों ने अदालत से अधिकृत तलाशी वारंट के आधार पर उमर के घर की तलाशी ली। यह एजेंसी अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग की जांच शाखा है। विभाग ने बताया कि कार्रवाई एक जारी संघीय आपराधिक जांच का हिस्सा है। हालांकि, जांच की पूरी वजह सार्वजनिक नहीं की गई और उमर के खिलाफ किसी आपराधिक आरोप की घोषणा भी नहीं हुई। सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच का संबंध उमर के बचपन के आव्रजन दस्तावेजों से हो सकता है। इनमें अमेरिका आने के दौरान उनके परिवार की ओर से भरे गए कागजात और उनके दिवंगत पिता से जुड़े दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। वहीं, उमर ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। उनके कार्यालय ने तलाशी को सरकारी शक्तियों का दुरुपयोग बताया और आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक वजहों से निशाना बनाया जा रहा है।

भारत पर बयानों को लेकर भी विवादों में रही हैं उमर : इल्हान उमर अमेरिकी राजनीति में अपने विवादित बयानों के लिए भी चर्चा में रही हैं। भारत सरकार की नीतियों, खासकर कश्मीर और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर उनकी टिप्पणियों की भारत में आलोचना होती रही है। जून 2022 में उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा भी किया था। इस यात्रा और कश्मीर पर उनके रुख को लेकर भारत में सवाल उठे थे। ट्रंप और उमर के बीच लंबे समय से राजनीतिक टकराव रहा है।

पनामा में फिर भूकंप के झटकों से कांप उठी धरती, 6.1 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई तीव्रता

पनामा सिटी, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में दो शक?तिशाली भूकंप के तीन दिन बाद मंगलवार सुबह एक बार फिर लोगों ने जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रियेक्टर स्केल पर 6.1 दर्ज की गई. इसका केंद्र भी जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज कि?या गया. पनामा में लगातार भूकंप के झटकों से दहशत बनी हुई है. मंगलवार तड़के भारतीय समयानुसार 4:50 बजे पनामा के लोगों ने एक और शक्तिशाली भूकंप का सामना किया. एक बार फिर भूकंप ने सड़कों, इमारतों को नुकसान पहुंचाया. सुबह-सुबह झटके महसूस होते ही लोग खुले स्थान की ओर भागे. तीन दिन पहले ही शुक्रवार देर रात और शनिवार तड़के ही पनामा ने दो जबरदस?त भूकंप के झटके महसूस किए थे. 7.7 और 6.6 तीव्रता वाले इन झटकों के बाद से ही पनामा में दहशत का माहौल बना हुआ है. जब पनामा में आया 7.7 की तीव्रता का भूकंप अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया. दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत रही. भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया. भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ. लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं. लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए. रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे. दहशत के चलते लोगों में घरों के अंदर जाने की हिम्मत नहीं हुई. लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे. पनामा सरकार ने शक्तिशाली भूकंप के बाद राहत और बचाव कार्यों को तेज करने तथा प्रभावित समुदायों की मदद के लिए देश में आपातकाल घोषित कर दिया था।

उत्तर कोरिया ने 'टैक्टिकल' बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। देश की सरकारी मीडिया के मुताबिक यह परीक्षण उसके हथियार सिस्टम के एक महत्वपूर्ण हिस्से को और बेहतर बनाने के लिए किया गया था और इसे 'बड़ी सफलता' बताया गया है। यह खबर ऐसे समय आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया की सेना ने प्योंगयांग क्षेत्र से पूर्वी सागर की ओर दागी गई कई बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया था। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रशासन ने 12 अक्टूबर को एक टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसका मकसद एक अहम तकनीकी हिस्से के उन्नयन से जुड़े शोध की सफलता की पुष्टि करना था। प्रशासन का दावा है कि यह उन्नयन बड़ी सफलता साबित हुआ है, जो सभी आक्रामक हथियार प्रणालियों की क्षमता और तकनीकी स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। उत्तर कोरिया ने इस परीक्षण को अपनी नियमित गतिविधियों का हिस्सा बताया है। हालांकि, उसने मिसाइल परीक्षण के बारे में ज्यादा तकनीकी जानकारी साझा नहीं की। दक्षिण कोरिया की ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने पहले बताया था कि उत्तर कोरिया ने कई तरह की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इनमें से एक मिसाइल ने 900 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के अधिकारी अब उनकी तकनीकी विशेषताओं का विस्तृत विश्लेषण कर रहे हैं। जेसीएस के प्रवक्ता कैप्टन जांग डो-यंग ने मंगलवार को कहा, 'संभव है कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को उसकी अधिकतम सीमा तक दागा हो। यह भी संभव है कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को कम दूरी तक परीक्षण के लिए लॉन्च किया हो। जानकारी के अनुसार, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की मारक क्षमता 300 से 1,000 किलोमीटर तक होती है, जबकि मध्यम दूरी की मिसाइलें 1,000 से 3,000 किलोमीटर तक मार कर सकती हैं। जांग ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की संयुक्त रक्षा तैयारियां मजबूत हैं और दोनों देश उत्तर कोरिया की हालिया मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें रोकने में पूरी तरह सक्षम हैं।

सोमवार के प्रक्षेपण के तुरंत बाद जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा था कि उत्तर कोरिया ने कम से कम दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इनमें से एक ने करीब 220 किलोमीटर और दूसरी ने 910 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। अमेरिकी पैसिफिक कमांड (पीएकॉम) ने भी सोमवार को पुष्टि की थी कि उत्तर कोरिया के हालिया प्रक्षेपण में दो बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल थीं। यह परीक्षण दक्षिण कोरिया की ओर से अपनी स्वदेशी हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) के पहले सफल परीक्षण की सार्वजनिक घोषणा के चार दिन बाद हुआ है।

भारत में लड़कियों की तरक्की का असर देश की सीमाओं से कहीं आगे तक है : यूनिसेफ

न्यूयॉर्क , एजेंसी। यूनिसेफ की डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हनान सुलेमान ने भारत में लड़कियों के सशक्तीकरण की स्थिति में हुए सुधार की तारीफ की है और कहा है कि इसका सकारात्मक असर वैश्विक स्तर पर भी होगा। हनान सुलेमान ने कहा, 'पिछले एक दशक में भारत में लड़कियों की शिक्षा में काफी सुधार हुआ है, जो परिवारों में लड़कियों के महत्व को बढ़ती मान्यता को दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे बड़ी किशोर आबादी है। भारत में 25 करोड़ 30 लाख किशोर हैं और इसका मतलब है कि भारत में लड़कियों के लिए हुई प्रगति का महत्व उसकी सीमाओं से कहीं आगे तक है।

हनान सुलेमान भारत और सिएरा लियोन द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लगातार निवेश, बड़े पैमाने पर सामुदायिक भागीदारी और नीतिगत कार्रवाई से वास्तविक और सार्थक बदलाव लाया जा सकता है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के कई कार्यक्रमों ने जीवन भर अपना असर दिखाया है। उन्होंने हैदराबाद के उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में महिलाओं की प्रगति का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैं कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग का छात्र था, तो मेरी क्लास में कोई लड़की नहीं थी। यह पूरी तरह से लड़कों की क्लास थी क्योंकि इसे पुरुषों का विषय माना जाता था, लेकिन आज मेरी यूनिवर्सिटी में लगभग 70 प्रतिशत क्लास में लड़कियां हैं।

इसलिए यह हमारे ही जीवनकाल में वास्तविक प्रगति है। हालांकि उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में अभी भी पुरुषों का दबदबा है। हम सिर्फ टेक ब्रदर्स के बारे में सुनते हैं, टेक सिस्टर्स के बारे में नहीं सुनते। उन्होंने कहा कि एआई की ताकत को देखते हुए सभी सदस्य देशों को इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि एआई का क्षेत्र लड़कियों और महिलाओं के अनुकूल बने। भारत में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि डिजिटल टूल्स, जिसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है, लड़कियों की शिक्षा के लिए मददगार साबित हों। एआई का इस्तेमाल अब खास ट्यूटोरियल और बच्चों के लिए पढ़ाई की सामग्री बनाने में हो रहा है, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। सिएरा लियोन की उप विदेश मंत्री जेनेबा बंगुरा ने कहा कि लड़कियों को सशक्त बनाने में किया गया निवेश समाज और देश के लिए कई गुना सकारात्मक असर डालता है। उन्होंने कहा कि जब हम एक लड़की की तरक्की में जब हम निवेश करते हैं, तो हम परिवारों, समुदायों और राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध दुनिया बनाते हैं। अफ्रीका और दुनिया भर में लड़कियां सिर्फ कमजोर नहीं हैं, बल्कि वे बदलाव लाने वाली, इनोवेटर, लीडर और विकास लाने वाली हैं।

रियाद में सुपुर्द-ए-खाक किए गए यूसुफ अली: हूती के हमले में गई थी जान, अंतिम विदाई में भारतीय राजदूत रहे मौजूद

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक मोहम्मद यूसुफ अली को अंतिम विदाई दी गई। सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल और भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। इस दौरान राजदूत ने परिवार को भरोसा दिलाया कि मुश्किल की इस घड़ी में भारतीय दूतावास उनके साथ खड़ा है और हर जरूरी मदद मुहैया कराता रहेगा।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए भारतीय राजदूत : रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक, राजदूत विपुल और मिशन के अधिकारी मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के साथ अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राजदूत ने परिवार से मुलाकात कर दुख जताया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने परिवार को यह भी भरोसा दिया कि दूतावास की ओर से आगे भी हर संभव सहायता जारी रहेगी।

एयरपोर्ट पर हमले में गई थी भारतीय नागरिक की जान : मोहम्मद यूसुफ अली की मौत 10 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में हुई थी। इस हमले में कई लोग घायल भी हुए थे, जिनमें 10 भारतीय नागरिक शामिल हैं। सऊदी अरब ने इस हमले के लिए यमन के हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

दूतावास ने बताया कि मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार को जरूरी सहायता दी गई। साथ ही, अंतिम संस्कार से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कराने में भी मदद की गई, ताकि परिवार को इस कठिन समय में प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए परेशान न होना पड़े। दूतावास ने कहा कि वह प्रभावित परिवार के संपर्क में बना हुआ है और जरूरत के मुताबिक मदद उपलब्ध करा रहा है। हमले में घायल भारतीय नागरिकों की स्थिति जानने के लिए भारतीय दूतावास के अधिकारी अस्पतालों का दौरा भी कर रहे हैं। वहां इलाज करा रहे लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है। इसके साथ ही, घायलों के परिवारों से भी लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। दूतावास का कहना है कि प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों को हर संभव सहायता दी जा रही है। भारत ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा कि सऊदी अरब में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। भारत ने ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग भी की है।

रूसी डीजल डील पर ट्रंप के विरोध में उतरे अपने ही सांसद, तुरंत प्लान वापस लेने की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। छह सीनेटरों के एक ग्रुप ने रविवार को प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से कहा कि वह ईंधन की ऊंची कीमतों को कम करने की कोशिश के तहत रूस से डीजल खरीदने के प्लान पर तुरंत अपना फैसला वापस लें.

ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह ऐलान करके सांसदों को चौंका दिया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर एक डील की है. उन्होंने कहा कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 300,000 टन से अधिक डीजल सप्लाई करेगा. इसके बाद नवंबर में 500,000 टन और उसके तुरंत बाद 1 मिलियन टन डीजल सप्लाई करेगा. उन्होंने लिखा कि रूस उसके बाद थोड़े ही समय में 3 मिलियन टन और डीजल सप्लाई करेगा.

चार रिपब्लिकन सीनेटर और दो डेमोक्रेटिक सीनेटर ने रविवार को जारी बयान पर साइन करके इस डील का विरोध किया. उन्होंने कहा कि सरकार कानून के मुताबिक अपने फैसले को सही ठहराने के लिए कांग्रेस से सलाह नहीं ले पाई या कोई सफाई नहीं दी. उन्होंने लिखा, 'जब रूस यूक्रेनी नागरिकों को मार रहा है, तो अमेरिका को पुतिन को आर्थिक मदद नहीं देनी चाहिए. प्रशासन को तुरंत अपना रास्ता बदलना चाहिए.' जिन रिपब्लिकन सीनेटर ने इस बयान पर साइन किया है, वे हैं मेन की सेनेटर सुसान कॉलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की, नॉर्थ कैरोलिना के थॉम टिलिस और यूटा के जॉन कर्टिस. डेमोक्रेटिक सीनेटर हैं न्यू हैम्पशायर की सेनेटर जीन शाहीन और कनेक्टिकट के रिचर्ड ब्लूमेंथल. एनबीसी के मीट द प्रेस पर रविवार को एयर हुए एक इंटरव्यू में टिलिस ने कहा कि अगर प्रशासन अपने डीजल खरीदने के प्लान पर आगे बढ़ता है, तो यह कहना सही है कि राष्ट्रपति कानून का पालन नहीं कर रहे हैं. टिलिस ने कहा, 'हम इस बात को लेकर बहुत साफ थे कि रूस हमलावर है. रूस ही वह है जो अपने कब्जे वाले इलाके से पीछे हटकर इस युद्ध को खत्म कर सकता है. ट्रंप की यह घोषणा कांग्रेस के उस कानून के कुछ ही हफ़्ते बाद आई है, जिसमें ट्रंप को रूसी तेल या नैचुरल गैस के टॉप इंपोर्टर्स पर भारी टैरिफ लगाने का निर्देश दिया गया था. इसमें उन देशों को छूट दी गई थी जो रूस के नैचुरल गैस एक्सपोर्ट का 15 फीसदी से कम इंपोर्ट करते हैं और जिन्होंने उन इंपोर्ट को कम करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं. कांग्रेस के प्रयास का उद्देश्य रूस को तेल और गैस की बिक्री से मिलने वाले धन के प्रवाह में कटौती करना था जिससे कि वह यूक्रेन के खिलाफ जंग में कमजोर पड़ सके. सांसदों ने यह भी नोट किया कि अमेरिका को युद्ध के लिए आर्थिक मदद रोकने के लिए कांग्रेस ने 2022 में रूस के ऊर्जा आयात पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिया था. छह सांसदों ने अपने बयान में लिखा, 'कांग्रेस साफ थी, अमेरिका को रूस से तेल तब तक आयात नहीं करना चाहिए जब तक वह यूक्रेन के खिलाफ अपना हमला बंद नहीं कर देता और हमारे नाटो सहयोगियों के खिलाफ धमकियां देना बंद नहीं कर देता.' राष्ट्रपति ट्रंप का अमेरिका में रूसी डीजल आयात की इजाजत देने का फैसला सीधे उस कानून के खिलाफ है.' सीनेटर जॉन बैरासो, आर वयो ने कहा कि ट्रंप एनर्जी की कीमत कम करने पर फोकस कर रहे हैं, जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति का यह कदम अमेरिकी कानून का उल्लंघन होगा।

जानकारी

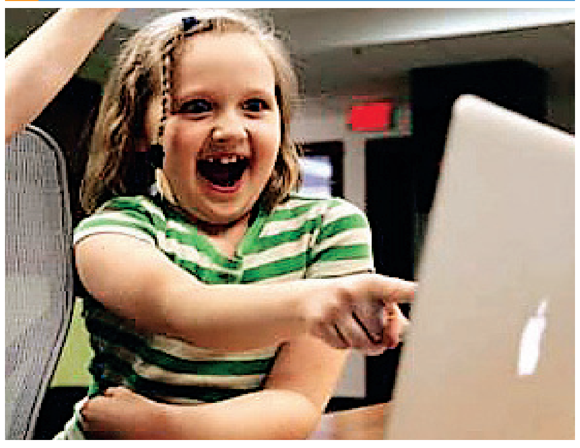

कहीं इस वजह से तो नहीं हो रहा आपका बच्चा बेकाबू?

बच्चे की परवरिश करना शायद दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। अगर आपका बच्चा बहुत हिंसक है तो इसके पीछे ये वजह हो सकती है।

बच्चे की परवरिश

अगर आपके बच्चे को बहुत ज्यादा गुस्सा आता है या फिर वह बहुत ज्यादा आक्रामक रहता है तो इसके पीछे की वजह चीनी हो सकती है। रिसर्च के मुताबिक, जो बच्चे ज्यादा चीनी खाते हैं, उनके हिंसक, एल्कोहॉलिक और सिगरेट पीने की लत पड़ने की ज्यादा संभावना होती है। कई अध्ययनों का विश्लेषण करने पर पता चला कि ज्यादा शुगर खाने या पीने से 11 से 15 साल के बच्चों के बीच हिंसक रवैये का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, अगर कोई बच्चा ज्यादा मिठाइयां और एनर्जी ड्रिंक लेता है तो उसके दूसरों के लिए खतरा बनने की संभावना ज्यादा रहती है। जबकि एक दूसरी स्टडी में बताया गया कि बच्चों में शुगर का हाई लेवल होने पर उनके झगड़े में पड़ने की चांसेज दोगुनी हो जाती है जबकि 95 फीसदी बच्चों को नशे की लत लगने की आशंका होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एनर्जी ड्रिंक चॉकलेट और मिठाइयों से भी ज्यादा बच्चों के व्यवहार पर बुरा असर डालती हैं क्योंकि इनमें कैफीन भी होता है। इजरायल की बार इलन यूनिवर्सिटी ने 137,284 बच्चों पर स्टडी की जिसमें 11, 13 या 15 वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि बच्चों के व्यवहार का शुगर की मात्रा से बहुत गहरा संबंध है। इस स्टडी में यह स्पष्ट तौर पर नहीं बताया गया कि शुगर की कितनी मात्रा खतरनाक हो सकती है। हालांकि नैशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की गाइडलाइन्स के मुताबिक, 11 वर्ष की उम्र वाले बच्चों को 30 ग्राम से ज्यादा ऐडेड शुगर नहीं लेनी चाहिए। कोकाकोला के एक कैन में ही 35 ग्राम शुगर होती है। 4-6 साल की उम्र वाले बच्चों को दिन भर में 19 ग्राम से ज्यादा शुगर नहीं लेनी चाहिए। स्टडी के लेखक ने बताया, बच्चों की खान-पान की आदतें आपको इस बात का संकेत पहले से ही दे सकती हैं कि टीनेजर में वे किन समस्याओं का सामना करने वाले हैं। स्टडी के मुताबिक, अधिकतर मामलों में बच्चों की शुगर इनटेक और व्यवहार के बीच के संबंध पर इस बात का फर्क नहीं पड़ा कि उनका परिवार कितना समृद्ध है। यह रिसर्च जर्नल सोशल साइंस ऐंड मेडिसिन में प्रकाशित की गई है।

डार्क सर्कल की समस्या

बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है।

डार्क सर्कल

किसी ने वाकई सच ही कहा कि आंखें एक साथ हजार शब्दों को बयां करती हैं। पर अगर आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो अवॉइड करने के बजाय उसे भी समझने की कोशिश करे। ये डार्क सर्कल आपकी हेल्थ के बारे में काफी कुछ कहते हैं।

डार्क सर्कल किसी को भी हो सकते हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप स्त्री है या पुरुष।

क्या हो सकते हैं कारण

डार्क सर्कल होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार बहुत अधिक तनाव लेने की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं। इसके अलावा कम सोने, हार्मोन्स में परिवर्तन होने, अव्यवस्थित लाइफस्टाल होने या फिर हेरेडेट्री होने की वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं।

हालांकि बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं, लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है

■ डार्क सर्कल दूर करने के लिए टमाटर सबसे कारगर उपाए है। ये नेचुरल तरीके से आंखों के नीचे के काले घेरे को खत्म करने का काम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा भी कोमल और फ्रेश बनी रहती है। टमाटर के रस को नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिलाकर लगाने से जल्दी फायदा होता है।

■ डार्क सर्कल दूर करने के लिए आलू का भी प्रयोग किया जा सकता है। आलू के रस को भी नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिला लें। इस मिश्रण को रूई की सहायता से आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे समाप्त हो जाएंगे ।

■ ठंडे टी-बैग्स के इस्तेमाल से भी डार्क सर्कल जल्दी समाप्त हो जाते हैं। टी-बैग को कुछ देर पानी में डुबोकर रख दें। उसके बाद इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। कुछ देर बाद इसे निकालकर आंखों पर रखकर लेट जाएं। 10 मिनट तक रोज ऐसा करने से फायदा होगा।

■ ठंडे दूध के लेप से भी आंखों के नीचे का कालापन दूर हो जाता है। कच्चे दूध को ठंडा होने के लिए रख दें। उसके बाद कॉटन की मदद से उसे आंखों के नीचे लगाएं। ऐसे दिन में दो बार करने से जल्दी फायदा होगा।

■ संतरे के छिलके को धूप में सुखाकर पीस लें। इस पाउडर में थोड़ी सी मात्रा में गुलाब जल मिलाकर लगाने से काले घेरे खत्म हो जाएंगे।

आंखों की सूजन दूर करने के 3 अचूक उपाए

अगर आपको अक्सर ही आंखों में सूजन रहती है और आप सारे उपाए करके हार चुकी हैं तो एक इन उपायों को जरूर आजमाएं। आंखों में कई बार सूजन आ जाती है जिसके कारण वह फूली हुई नजर आती हैं। ऐसा कई बार थकान की वहज से या फिर नींद न पूरी होने की वजह से होता है लेकिन अगर आप इस समस्या से अक्सर ही दो चार होते हैं तो इसका आसान उपाय आपके घर पर ही आपको मिल सकता है। आइए जानें, आंखों की सूजन को कम करने के लिए कैसे करे दूध का इस्तेमाल।

1-आंखों की सूजन कम करने के लिए बर्फ जमाने वाली ट्रे में दूध डालकर छोटे-छोटे क्यूब्स में जमा लें और उस क्यूब को निकालकर किसी कपड़े में लेकर आंखों पर सेंक करें। इस उपाए को करने से सूजन तो कम होती ही है साथ ही आंखों की थकान भी दूर हो जाती है।

2-दूसरा तरीका ये हैं कि एक चम्मच कॉफी पाउडर में दो चम्मच कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें और इस लेप को आंखों के नीचे लगाकर 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। आपको खुद फर्क महसूस होगा और आंखों की सूजन कम होने लगेगी।

3-कॉटन बॉल्स को ठंडे दूध में डुबोकर आंखों पर सेंक दें। इससे आपको बहुत आराम मिलेगा।

सुझाव

पैरों की बदबू से हैं परेशान? तो ये 5 टिप्स आएंगे काम

अगर आप भी पैरों की बदबू से परेशान हैं तो इन टिप्स की मदद से राहत पा सकेंगे। कई लोगों को पैरों में अधिक पसीना आता है। जब स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया पसीने के संपर्क में आता है तो पैरों से बदबू आने लगती है। गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा पसीना आने के कारण पैरों से बदबू भी अधिक आने लगती है। इसकी वजह से अक्सर कई लोगों को शर्मिंदगी का एहसास होता है।

आइए जानते हैं पैरों की बदबू को दूर करने के उपाए-

अदरक और सिरका: आप चाहें तो पानी में सामान्य सिरका मिलाकर उससे पैर धो सकते हैं या फिर अदरक के रस को पैर पर मल लें और बाद में गुनगुने पानी से पैर धो लीजिए। ऐसा करने से पैरों की बदबू चली जाती है।

लैवेंडर ऑयल: लैवेंडर ऑयल न केवल अच्छी खूशबू देता है बल्कि यह बैक्टीरिया को मारने में भी असरदार है। इस तेल में एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं जो पैरों की बदबू को दूर करने में बहुत फायदेमंद रहते हैं। हल्के गर्म पानी में कुछ बूंदें लैवेंडर ऑयल की डालकर पैरों को उसमें कुछ देर के लिए डुबोकर रखें। दिन में दो बार ऐसा करना फायदेमंद रहेगा।

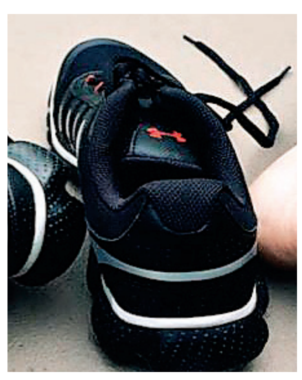

बेकिंग सोडा: सोडियम कार्बोनेट को ही साधारण शब्दों में बेकिंग सोडा के नाम से जाना जाता है। पैरों से आने वाली बदबू को दूर करने का यह एक बेहद कारगर और आसान उपाए है। यह पसीने के लेवल को सामान्य रखता है और बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में कारगर होता है। हल्के गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा मिला लें। 15 से 20 मिनट तक पैर पानी में ही डुबोए रखें। कुछ हफ्तों तक यह उपाए करने से फायदा होगा।

फिटकरी: फिटकरी कसैली होती है और इसमें एंटी-सेप्टिक गुण भी पाया जाता है। यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है। एक चम्मच फिटकरी पाउडर को एक मग पानी में डालकर उससे पैर धोएं। कुछ दिनों में बदबू की समस्या दूर हो जाएगी।

पैर रखें साफ: सबसे आखिर में मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जूते पहनने से पहले आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके पैर तो साफ हैं न। क्योंकि ऐसा पाया गया कि गंदे पैर जूते पहनने से ज्यादा बदबू आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2617

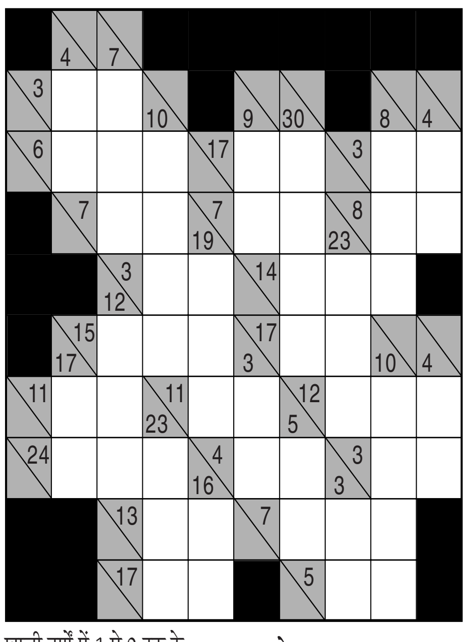

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

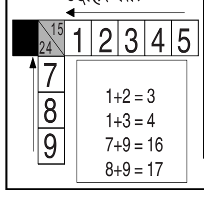

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2616 का हल

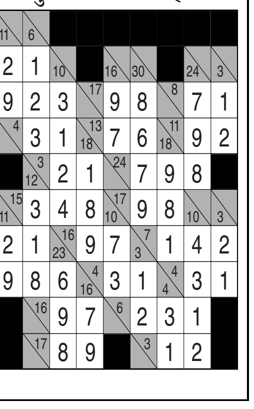

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2617

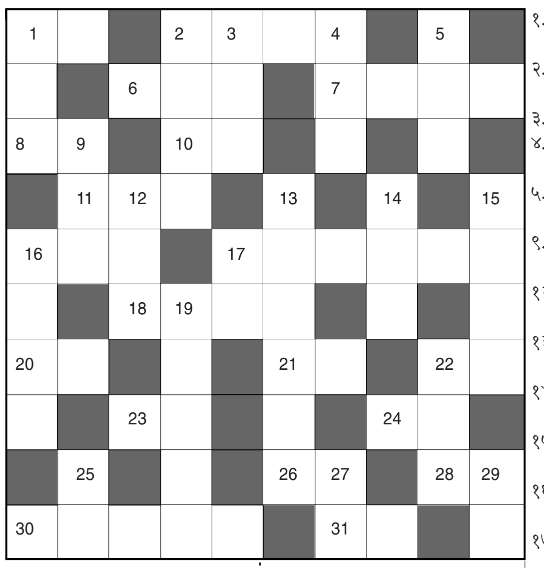

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2616

सूडोकु -2617

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2618 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 2617

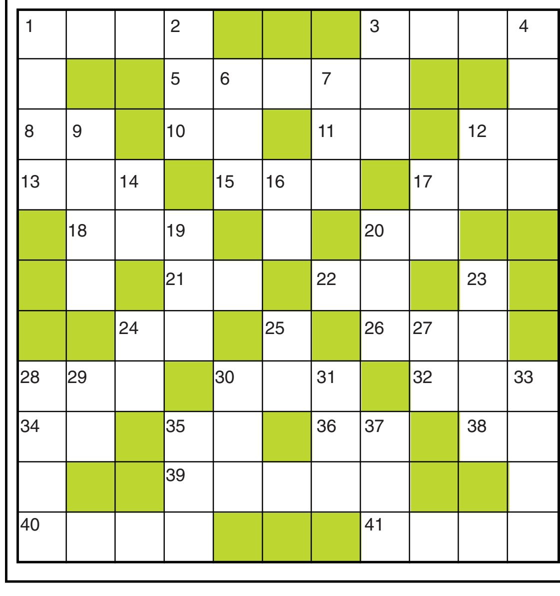

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2616 का हल

एल मुरुगन ने मंत्रिपरिषद और राज्यसभा से दिया इस्तीफा, तमिलनाडु में भाजपा को करेंगे मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने मंत्रिपरिषद और राज्यसभा से इस्तीफे की घोषणा की है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। इसे उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है। अपने पोस्ट में मुरुगन ने कहा है कि तमिलनाडु के एक गांव में दिहाड़ी मजदूर के बेटे से मंत्री बनना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने आगे कहा कि अब वे अपना पूरा समय तमिलनाडु में भाजपा संगठन और कार्यकर्ताओं को मजबूत करने में लगाएंगे। विशेष रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए समय देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को अपनी यात्रा का श्रेय देते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) और भाजपा से अपने जुड़ाव का उल्लेख किया। मुरुगन ने कहा, 'अब मैं जमीनी स्तर पर लौटना चाहता हूँ, अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा होना चाहता हूँ और साल 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपना पूरा समय समर्पित करना चाहता हूँ। '

वसुंधरा ताल में पूर्व चेतावनी प्रणाली का पहला चरण सफल, ग्लेशियल झीलों से बाढ़ के खतरे की निगरानी होगी मजबूत

देहरादून। उत्तराखंड में ग्लेशियल झीलों से संभावित बाढ़ के खतरे की निगरानी और समय रहते चेतावनी जारी करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। चमोली जिले के वसुंधरा ताल में पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के पहले चरण का अभियान पूरा कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी दल मंगलवार को लौट आया। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) में दल का स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक के निर्देश पर संचालित इस अभियान के तहत उच्च हिमालयी क्षेत्र में झील और उसके आसपास विभिन्न आधुनिक सेंसर लगाए गए हैं। राज्य में पहली बार किसी ग्लेशियल झील में इस तरह की सेंसर आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई है। इससे झील के जलस्तर, स्थानीय मौसम, बर्फ की स्थिति और आसपास की भू-गतिविधियों में होने वाले बदलावों की निगरानी में मदद मिलेगी।

सीमापार से ड्रोन के जरिए गिराए हथियार, विस्फोटक, पंजाब के दो युवक गिरफ्तार

जयपुर/श्रीगंगानगर। पाकिस्तान सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले के रावला क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक गिराने की साजिश का सुरक्षा एजेंसियों ने पर्दाफाश किया है। दरमियानी रात सीमापार से ड्रोन के जरिए तीन पैकेट गिराए गए। इनमें दो जिगाना पिस्टल, चार मैगजीन, करीब 650 कारतूस, लगभग 7 किलोग्राम विस्फोटक और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद हुए हैं। इस मामले में पंजाब निवासी दो युवकों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। बरामद हथियारों में शामिल पिस्टल पर 'मेड इन टर्की' लिखा हुआ है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और रावला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत 12 केएनडी के गांव चक 4 केएनएम डब्ल्यू टेल के पास एक खेत से संदिग्ध पैकेट बरामद किए। शुरुआती सूचना में पैकेटों में मादक पदार्थ होने की आशंका जताई गई थी। बाद में तलाशी के दौरान हथियार और विस्फोटक सामग्री मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। विस्फोटक की जांच के लिए जयपुर से एंटी बम स्क्वॉड को बुलाया गया है।

मप्रः बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में वन्यजीव पर्यटन का बढ़ रहा आकर्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव पर्यटन को लेकर पर्यटकों का उत्साह लगातार बना हुआ है। यहां कोर जोन के साथ बफर जोन पर्यटन भी जोर पकड़ रहा है। भागते-दहाड़ते वन्यजीवों को देखने के लिए पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। बांधवगढ़ के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने मंगलवार को मानसून के दौरान टाइगर रिजर्व के कोर जोन में सफारी बंद रहने की वजह से बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का चलन शुरू किया गया। यह प्रयोग इतना उत्साहवर्धक रहा कि पर्यटन सत्र 2026-27 के शुरुआती 100 दिनों में परासी और पचपेड़ी बफर जोन में वन्यजीवों को नजदीक से रूबरू देखने के लिए इस साल एक जुलाई से 8 अक्टूबर तक 802 वाहनों से कुल 3,780 पर्यटक आये।

रामनाथ कोविंद की आत्मकथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत

उन्होंने अभावों को कभी ढाल नहीं बनाया : सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से निकलकर पुस्तकों से जुड़ने की सीख दी। उन्होंने कहा कि आज लोग स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर पांच से सात घंटे बिता रहे हैं। इसमें से एक-दो घंटे भी अच्छी पुस्तकें पढ़ने में लगाएं तो जीवन को नई दिशा मिल सकती है। सोशल मीडिया पर रील बनाकर लाइक्स जुटाने के बजाय अपनी रियल लाइफ में आगे बढ़ना अधिक उपयोगी है। अच्छी पुस्तकें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक होती हैं। युवाओं को महापुरुषों की जीवनी और आत्मकथाएं पढ़नी चाहिए, जिनसे संघर्षों के बीच आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को लोकभवन सभागार में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजयगाथाः मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' के हिंदी संस्करण के विमोचन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसे भारतीय की जीवनगाथा है, जिसने अभावों को अपनी ढाल नहीं

बनाया, बल्कि संघर्ष, परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया। यह आत्मकथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में 57,600 ग्राम सचिवालय बन चुके हैं। इनमें एक कक्ष पुस्तकालय के लिए निर्धारित है, जहां गांव के बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। डिजिटल लाइब्रेरी भी विकसित की जा रही हैं। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों से लेकर महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों तक पुस्तकालयों का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा भी व्यापक स्तर पर पुस्तकालयों तक पहुंचनी चाहिए। सरकार इस दिशा में प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुस्तक मेलों का उल्लेख करते हुए कहा कि शुरुआत में आयोजकों को आशंका थी कि आज के दौर में पुस्तकें कौन खरीदेगा। लखनऊ में पुस्तक मेला लगा तो बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इसके बाद गोरखपुर में उससे भी अधिक पुस्तकें बिकीं। हाल में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पुस्तक मेले में भी युवाओं और विद्यार्थियों की अच्छी भागीदारी रही। उन्होंने कहा कि लोगों में पढ़ने की रुचि है, जरूरत उन्हें उचित मंच उपलब्ध कराने की है।

उन्होंने कहा कि कानपुर के परौंख गांव में जन्मे रामनाथ कोविंद ने बचपन में ही मां को खो दिया। गांव के विद्यालय से पढ़ाई शुरू की और उच्च शिक्षा प्राप्त कर अधिवक्ता के रूप में गरीबों तथा वंचितों की आवाज बने। भाजपा संगठन, राज्यसभा, बिहार के राज्यपाल और राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारियां निभाईं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बड़ा वही होता है जिसमें संघर्ष का जज्बा हो। विपरीत परिस्थितियों से पलायन के बजाय उनका मुकाबला करना महानता की पहचान है। सीएम योगी ने कहा कि सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने के बाद भी रामनाथ कोविंद अपनी जन्मभूमि परौंख से लगाव बना रहा। वह अवसर मिलते ही गांव जाते हैं। पुराने साथियों और चाय-चाट वालों से भी उनके संबंध कायम हैं।

ओडिशा कैबिनेट ने 11 विभागों के 16 प्रस्तावों को मंजूरी दी

कक्षा 9 और 10 के लिए मुफ्त पाठ्यपुस्तकें देने की घोषणा

एजेंसी

भुवनेश्वर । मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में ओडिशा कैबिनेट ने 11 विभागों के 16 प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इन विभागों में राजस्व और आपदा प्रबंधन, उद्योग, वित्त, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा और कृषि एवं किसान सशक्तिकरण आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि इससे सुशासन, समावेशी विकास और 'समृद्ध ओडिशा' के विजन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को प्रस्तावों की जानकारी एक्स पोस्ट के माध्यम से दी गई है। **कक्षा 9 और 10 के लिए मुफ्त पाठ्यपुस्तकेंः** 284.07 करोड़ की लागत वाली इस स्कीम के तहत 2025-26 से 2029-30 तक पांच वर्षों में अनुमानित 28.7 लाख छात्रों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

इंडस्ट्रियल रीस्ट्रक्चरिंगः इस संशोधन से योग्य इंडस्ट्रियल रीस्ट्रक्चरिंग स्कीम के लिए स्टाम्प ड्यूटी को तर्कसंगत बनाया जाएगा, जिससे बीमार इकाइयों

को फिर से शुरू करने, बिजनेस को जारी रखने और नौकरियों को बचाने में मदद मिलेगी।

एलिमेंट्री एजुकेशन नियमों में संशोधनः 1997 के नियमों में किए गए इस संशोधन से लेवल-2 अधिकारियों की सीनियरिटी का निर्धारण लेवल-3 में सेवा की अवधि के बजाय सेलेक्ट लिस्ट में उनके स्थान के आधार पर किया जाएगा।

डिप्लोमा इंजीनियरों के सर्विस कैडर का रीस्ट्रक्चरिंगः जूनियर इंजीनियर-असिस्टेंट इंजीनियर के अनुपात को संशोधित करके 60:40 कर दिया गया है, जिससे कुल स्वीकृत संख्या बढ़ाए बिना प्रमोशन की संभावनाओं में सुधार होगा।

तुस्तापल्ली इन-स्ट्रीम स्टोरेज प्रोजेक्टः 105.62 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट से बोलांगीर के सूखे की चपेट में आने वाले 12 गांवों के लिए जल सुरक्षा मजबूत होगी और ग्रामीण आजीविका को सहारा मिलेगा।

कक्षा 9 और 10 के लिए मुफ्त पाठ्यपुस्तकेंः 284.07 करोड़ की लागत वाली इस स्कीम के तहत 2025-26 से 2029-30 तक पांच वर्षों में अनुमानित 28.7 लाख छात्रों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

अस्तारंगा फिशिंग हार्बर स्टेज-2ः 133.81 करोड़ के इस प्रोजेक्ट से 1,960 मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नावों के लिए लैंडिंग और बर्थिंग की सुविधा मिलेगी और लगभग 35,000 लोगों को लाभ होगा। इससे फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को 20 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी तक लाने की भी उम्मीद है।

पैक्ड पेयजल की गुणवत्ता पर यूपीएफएसडीए सख्त, 57 नमूने असुरक्षित मिलने पर लाइसेंस निलंबित करने के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पैक्ड पेयजल उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने सख्त कदम उठाए हैं।पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर और पैक्ड मिनरल वॉटर की निर्माण इकाइयों में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान लिए गए 242 नमूनों की प्रयोगशाला जांच में 146 नमूने अधोमानक और 57 नमूने माइक्रोबायोलॉजिकल जांच में असुरक्षित पाए गए हैं। इन नतीजों के बाद विभाग ने संबंधित इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने 13 अक्टूबर को जारी आदेश में असुरक्षित नमूनों से जुड़ी निर्माण इकाइयों के खाद्य लाइसेंस निलंबित करने और उनका उत्पादन तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं, अधोमानक नमूने मिलने वाली इकाइयों को सुधार नोटिस जारी कर कमियों को दूर करने और निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

विभाग ने सभी संबंधित सहायक आयुक्त (खाद्य) को निर्देश दिया है कि प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक इकाई के मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसका उद्देश्य केवल खामियों को सामने लाना नहीं, बल्कि पेयजल निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करना भी है, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से कोई समझौता न हो। सचिव एवं आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने बताया कि पानी ऐसी वस्तु है, जिसे उपभोक्ता शुद्धता और सुरक्षा के भरोसे के साथ खरीदता है। ऐसे में पानी में किसी भी प्रकार का संक्रमण उपभोक्ता के विश्वास को सीधे प्रभावित करता है।

बर्फ के फाहों से गुलजार पहाड़

कहीं बर्फबारी तो कहीं बारिश के आसार, कश्मीर में अगले दो दिन मौसम लेगा इम्तिहान

एजेंसी

श्रीनगर (पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि श्रीनगर समेत मैदानी क्षेत्रों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में 15 अक्तूबर तक मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान कई स्थानों पर बारिश, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और कुछ इलाकों में गरज के साथ आंधी आने की संभावना है।

अधिकारियों के अनुसार, गुलमर्ग, सोनमर्ग और जोजिला क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी के तुलैल

क्षेत्र और राजदान दर्रे में भी ताजा बर्फबारी हुई है। बारिश के कारण घाटी में ठंड बढ़ने के साथ मौसम का मिजाज बदल गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 15 से 16 अक्तूबर के बीच कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और ओलावृष्टि की भी आशंका है। 16 अक्तूबर से मौसम में सुधार होने की उम्मीद है, जबकि 17 से 24 अक्तूबर तक मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रह सकता है।

अकोइजम की बढ़ीं मुश्किलें

भाजपा महिला मोर्चा एनसीडब्ल्यू को देगा ज्ञापन, कांग्रेस सांसद पर क्या हैं आरोप?

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया के. राहटकर से मुलाकात करेगा और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की 11 छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपेगा। इस प्रतिनधिमंडल की अगुवाई महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद रूप कुमारी चौधरी कर रही हैं। प्रतिनिधिमंडल का यह कदम अकोइजम के खिलाफ लगे आरोपों और यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) ढांचे के तहत जांच के बाद विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें सेवा से बर्खास्त करने के फैसले को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच आया है। जेएनयू ने आरोपों की जांच के बाद अपनी आंतरिक समिति द्वारा कड़ी सजा की सिफारिश के मद्देनजर नौ अक्तूबर को अकोइजम को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया। हालांकि, अकोइजम ने आरोपों से इनकार किया है और जांच में प्रक्रियात्मक खामियों का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया है कि उन्हें जांच रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई, जो उनके अपील के अधिकार का प्रयोग करने के लिए आवश्यक थी। उन्होंने पीओएसएच अधिनियम की धारा 16 के तहत गोपनीयता प्रावधानों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है और दावा किया है कि उनकी पहचान समय से पहले उजागर कर दी गई। दिल्ली पुलिस ने 11 अक्तूबर को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 75, 75(1)(i), 75(1)(i1) और 79 के तहत एफआईआर दर्ज की। मामले की जांच जारी है। इस बीच भाजपा की महिला नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

'भारत का शासन मॉडल सिर्फ कल्याणकारी सहायता तक सीमित नहीं'

नागरिकों के सशक्तीकरण का बना माध्यमः पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का शासन मॉडल केवल कल्याणकारी सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को सशक्त बनाकर विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने स्वच्छता, रसोई गैस कनेक्शन, स्वास्थ्य सुरक्षा और आसान ऋण सुविधा जैसी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने और लोगों के लिए नए अवसर पैदा करने का जरिया बताया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के

आलेख को साझा किया। पीएमओ ने कहा कि योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुंच और जनभागीदारी शासन व्यवस्था में वास्तविक बदलाव ला रही है। यह दृष्टिकोण वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य का महत्वपूर्ण आधार है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में 'मूविंग गवर्नेंस फ्रॉम वेलफेयर टू एम्पावरमेंट' शीर्षक से आलेख लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में शासन व्यवस्था में गरिमा, अवसर और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया है। आलेख में महात्मा गांधी के सबसे गरीब व्यक्ति को आवाज देने के विचार और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन का उल्लेख किया गया है। सिंधिया ने आलेख में कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और जनधन-मोबाइल तकनीक के माध्यम से करीब 50 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए हैं। इसमें दावा किया गया कि वर्ष 2013-14 की तुलना में देश की अर्थव्यवस्था लगभग तीन गुना बढ़कर 331 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। देश में 2.23 लाख से अधिक स्टार्टअप्स ने 23 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। सिंधिया ने आलेख में उज्ज्वला योजना के तहत 10.5 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन, स्वच्छ भारत मिशन के तहत करीब 12 करोड़ घरेलू शौचालयों के निर्माण और आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 करोड़ लोगों के इलाज का उल्लेख किया है। मुद्रा योजना के तहत 59 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जबकि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी तीन करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं 'लखपति दीदी' बनी हैं।

एसआईआर प्रक्रिया को चुनौतीः

राहुल गांधी के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी, याचिका में क्या कहा?

एजेंसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर किया। इस याचिका में चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट में सुधार की 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) प्रक्रिया के तरीके को चुनौती दी।

राहुल गांधी ने भी दायर की याचिका

इससे पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के अन्य नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने प्रक्रिया में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए वोटर डेटाबेस और नामों को हटाने की प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की थी।

विपक्ष की याचिका में क्या मांग की गई?

विपक्ष की याचिका में वोटर डेटाबेस और नामों को हटाने की प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट कराने

के साथ-साथ, सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने की मांग की गई है। यह कमेटी सुधार प्रक्रिया के लागू होने और वोटर लिस्ट व इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (इवीएम) से जुड़े तकनीकी सिस्टम की जांच करेगी।

याचिकाकर्ताओं ने पहले इस बात पर सवाल उठाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने बाकी चुनाव आयुक्तों की जानकारी या सहमति के बिना चुनाव आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल कैसे किया। उन्होंने देश भर में एसआईआर शुरू करने के फैसले से जुड़े रिकॉर्ड मांगे हैं, जिनमें फाइलें, बैठक का ब्यौरा (मिनट्स), नोटिंग और आपत्तियां शामिल हैं।

राहुल गांधी की याचिका में क्या है?

राहुल गांधी की याचिका में यह तर्क दिया गया है कि चुनाव आयोग को कई सदस्यों वाली संवैधानिक संस्था के तौर पर काम करना चाहिए और वोटर लिस्ट से जुड़े फैसले संविधान के अनुच्छेद 324 और 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' के मुताबिक होने चाहिए। बता दें कि ओवैसी ने बार-बार एसआईआर प्रक्रिया के तरीके की आलोचना की है। उन्होंने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को रद्द करने की भी मांग की है। उनका तर्क है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को मिली कानूनी छूट चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को कम करती है। ओवैसी ने एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने की भी मांग की और मतदाताओं पर लगाई गई अतिरिक्त शर्तों के आधार पर सवाल उठाए।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनधिकृत प्रवेश और अन्य आरोप में सीजेपी के 14 सदस्यों पर केस

एजेंसी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने के अगले ही दिन मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 14 सदस्य वहां पहुंच गए। पुलिस ने निजी परिसर के रास्ते कथित तौर पर अनधिकृत प्रवेश करने और पुलिसकर्मियों को सरकारी ड्यूटी करने से रोकने के आरोप में सभी को हिरासत में लेकर दो अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, पार्टी के तीन प्रमुख सदस्यों आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई। इनमें से कोर्ट ने सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि अजिंक्य शिंदे को छह महीने तक शांति और सद्व्यवहार बनाए रखने के लिए बंधपत्र भरने का निर्देश दिया गया। नई दिल्ली जिले के डीसीपी सचिन शर्मा के अनुसार, यह घटना 13 अक्टूबर की सुबह की है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए पहुंचे सीजेपी सदस्यों को मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने रोकने का प्रयास किया।

आरोप है कि इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने एक निजी परिसर के रास्ते प्रवेश किया और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डाली। पुलिस ने सभी 14 सदस्यों को हिरासत में लेकर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मामले में पहली प्राथमिकी कनॉट प्लेस थाने में एफआईआर संख्या 289/26 के तहत दर्ज की गई है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223(ए), 332 और 61(2) लगाई गई हैं। दूसरी प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में एफआईआर संख्या 128/26 के तहत दर्ज हुई है। इसमें बीएनएस की धारा 221, 115(2), 132, 121(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों मामलों में कुल 14 सदस्यों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सीजेपी के प्रमुख सदस्यों आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे के खिलाफ अलग से निवारक कार्रवाई की। पुलिस का आरोप है कि इन सदस्यों की गतिविधियों से सार्वजनिक शांति भंग होने और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। पुलिस ने यह भी आरोप लगाया कि तीनों इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अन्य लोगों को भी इसी तरह की गतिविधियों के लिए उकसाने का प्रयास कर रहे थे। इसी आधार पर उन्हें संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष पेश किया गया।

चैंपियंस लीगः बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्यूनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई बत्राकोव के डिफ्लेक्टेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैंसेलो ने सूझबूझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए असिस्ट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया 7 मिनट में दागे तीनों गोल

नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्ज, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन-टू हुआ। हैवर्ट्ज ने गेंद साका को लौटाई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा

रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन

शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैंपबेल ने हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था।

इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है। '

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक **डिफेंडर :** संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह **फॉरवर्ड :** शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह **रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी :** विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

हरमनप्रीत बोले-पहली बार मेरे पिता मुझे देखेंगे लाइव खेलते

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह पूरी टीम के लिए खासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए एक खास मौका होगा क्योंकि यह पहली बार है जब हम पंजाब में किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'उम्मीद है कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मौजूद रहेगा और पहली बार मुझे एक साथ इंटरनेशनल मैच खेलते हुए देखेगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल होंगे, जिन्होंने मुझे कभी स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।' हरमनप्रीत देश के पहले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का नेतृत्व किया है।

इस टूर्नामेंट से भारतीय हॉकी में पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे योगदान पर भी ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ग्रासरूट अकादमियों और गांवों के खेल के मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मंच तक, इस राज्य ने देश के कुछ सबसे मशहूर खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें उधम सिंह, बलबीर सिंह सीनियर, मनप्रीत सिंह और खुद हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

खासकर जालंधर का इस खेल के इतिहास से गहरा नाता रहा है, जहां संसारपुर और मीठापुर जैसे इलाकों में हॉकी खेलने वाले समुदायों ने कई पीढ़ियों तक प्रतिभाओं को निखारा है। बर्ल्टन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग-स्टेज के मैच होंगे।

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन

स्टावांगर । बेयर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हॉगेन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई।

मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट को मिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

मणि रत्नम के साथ काम करना जिंदगी बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के लिए कला का मतलब सिर्फ अभिनय या फैशन तक सीमित नहीं है। उनके लिए यह खुद को पहचानने, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने और हर नए अनुभव से कुछ सीखने का सफर है। बचपन के सपनों से लेकर अपने करियर को नई दिशा देने वाले फिल्मकारों तक, अदिति ने हमेशा अपने भीतर की जिज्ञासा को जिंदा रखने की कोशिश की है।

फेमिना के सितंबर-अक्टूबर 2026 अंक की कवर स्टोरी में अदिति ने सिनेमा, फैशन, अपनी कलात्मक पहचान और निजी भावनाओं को पर्दे पर उतारने के अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके जीवन में परिवार की सीख और फिल्मकार मणि रत्नम के साथ काम करने के अनुभव ने कितनी अहम भूमिका निभाई है।

अदिति की कलात्मक सोच को आकार देने में उनके परिवार और बचपन के माहौल का बड़ा योगदान रहा है। वह बताती हैं कि उनकी मां की एक सीख आज भी उनके साथ है। अदिति के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा था, 'अगर आप सच में एक कलाकार हैं, तो कोई आपको कमतर नहीं आंक सकता। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन सृजन करने की क्षमता आपके भीतर होती है। यही आपका सबसे बड़ा उपहार है, इरादे और प्रेम के साथ लगातार कुछ नया रचते रहना।' अदिति के लिए यह विचार उनके काम का मूल आधार है। वह अपने करियर को सिर्फ उपलब्धियों के तराजू पर नहीं तौलतीं, बल्कि इस बात को भी अहम मानती हैं कि वह अपने काम के जरिए क्या नया सीख रही हैं और किस तरह अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ा रही हैं।

अतीत से ज्यादा भविष्य को लेकर उत्सुक हैं अदिति

अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएं और महत्वपूर्ण सहयोग करने के बावजूद अदिति पीछे मुड़कर देखने के बजाय वर्तमान में जीना पसंद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखती हूं। मैं वर्तमान में जीना चाहती हूं, उससे सीखना और उसका जश्न मनाना चाहती हूं। मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।' उनकी यह सोच बताती है कि वह पुरानी सफलताओं में उलझे रहने के बजाय नए अनुभवों और संभावनाओं के लिए खुद को खुला रखना चाहती हैं।

अदिति के दिल में फिल्मकार मणि रत्नम की फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्में देखकर इतनी प्रभावित हुई थीं कि बचपन में उन्हीं की फिल्मों की नायिका बनने का सपना देखने लगी थीं। जब उन्हें उनके साथ काम करने का अवसर मिला, तो यह अनुभव उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अदिति कहती हैं, 'मणि रत्नम के साथ काम करने ने मेरी जिंदगी को हर तरह से बदल दिया। इससे मुझे अपने सपनों पर विश्वास हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मुझे समझा और पहचाना जा रहा है। इस अनुभव ने मुझे अपने भीतर के उस जिज्ञासु पांच साल के बच्चे को सहजता से स्वीकार करने का साहस दिया।' उनकी बातों से साफ है कि इस सहयोग ने सिर्फ उनके पेशेवर सफर को ही नहीं, बल्कि खुद को देखने और समझने के नजरिए को भी प्रभावित किया।

कैमरे के सामने अपनी निजी भावनाएं खोलना आसान नहीं

अभिनय की दुनिया में कलाकारों को कई बार ऐसी भावनाएं पर्दे पर दिखानी पड़ती हैं, जिन्हें वे अपनी निजी जिंदगी में दूसरों से साझा नहीं करते। अदिति भी इस अनुभव को दिलचस्प और संवेदनशील मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान हम अपने दिल और दिमाग के बेहद संवेदनशील हिस्सों को सामने लाते हैं और फिर उन्हें पूरी दुनिया के साथ साझा कर देते हैं। गुस्सा, आंसू, प्यार और ऐसी ही कई भावनाएं हम अपनी निजी जिंदगी में बहुत संभालकर रखते हैं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें जाहिर कर देते हैं।' अदिति के मुताबिक, अभिनय की यही प्रक्रिया कलाकार को अपनी भावनाओं के उन पहलुओं से रूबरू कराती है, जिन्हें आमतौर पर वह निजी दायरे में ही रखना पसंद करता है।

दंगल की इमेज में बंधना नहीं चाहती थी, हर किरदार नई शुरुआत जैसा है

फातिमा सना शेख हाल ही में जियोहॉटस्टार पर आई सीरीज 'हुंकार' में दिखीं। उनके मुताबिक, 'मॉडर्न लव मुंबई' से लेकर 'हुंकार' की जसलीन तक उनकी कोशिश खुद को किसी एक इमेज में सीमित न रखने की रही है। फातिमा के मुताबिक, 'दंगल' उनके करियर का अहम पड़ाव जरूर है, लेकिन वह उस फिल्म या गीता फोगाट की छवि को पकड़कर आगे नहीं बढ़ना चाहती थीं। हर नया किरदार उनके लिए एक नई शुरुआत है।

'दंगल' की गीता और 'हुंकार की जसलीन अलग हैं...

फातिमा कहती हैं... 'अगर मैं पिछले किरदार को पकड़कर चलूंगी तो मौजूदा किरदार नहीं कर पाऊंगी। एक्टर की उम्र, अनुभव और सोच बदलती रहती है। इसलिए हर नए किरदार के साथ खुद को फिर से ढालना जरूरी है। अलग-अलग किरदारों में एक जैसी सोच तलाशना एक्टिंग प्रोसेस को जेनेरिक बना सकता है। 'दंगल' की गीता और 'हुंकार' की जसलीन अलग दुनिया से आती हैं, इसलिए दोनों को एक नजर से देखना सही नहीं होगा। अगर हर किरदार को एक ही रंग में देखेंगे तो सब एक जैसे ही हो जाएंगे।'

किरदार को सिर्फ बाहर से ही जानना पर्याप्त नहीं...

फातिमा ने कहा...' हुंकार' में पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए मैंने किसी खास पुलिस अफसर की बॉडी लैंग्वेज या व्यवहार को कॉपी नहीं किया। यहां मेरे लिए ज्यादा जरूरी था कि मैं यह समझें कि यह महिला किस तरह सोचती होगी। किसी किरदार को सिर्फ बाहर से पकड़ना मेरे लिए पर्याप्त नहीं है। उसकी थॉट प्रोसेस समझना जरूरी है। वह किसी परिस्थिति में क्यों वैसा फैसला लेती है, उसके अंदर क्या चल रहा है, लोगों को किस तरह देखती है-इन सवालों के जवाब किरदार को भीतर से बनाने में मदद करते हैं।'

गीता के लिए मैंने एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज समझी थी

'दंगल' के लिए मैंने रियल लाइफ रेसलर गीता फोगाट से प्रेरणा नहीं ली बल्कि दूसरे रियल लाइफ रेस्लर से प्रेरण ली थी। मैंने गीता की बॉडी लैंग्वेज हूबहू कॉपी नहीं की। सामान्य तौर पर यह समझने की कोशिश की कि एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से खिलाड़ियों में कुछ चीजें कॉमन होती हैं। उनका उठना-बैठना, शरीर का इस्तेमाल, मूवमेंट और अपने शरीर को लेकर जागरूकता, इन सबको समझना जरूरी था। मेरे लिए यह किसी की नकल करने से ज्यादा उसकी दुनिया को समझना था।

मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं...

फातिमा अलग-अलग रीजनल इंडस्ट्रीज में भी काम करना चाहती हैं। वे कहती हैं... 'खासतौर पर मुझे मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं, क्योंकि उनमें महिलाओं की अपनी इच्छाएं, फैसले और नजरिया दिखाई देता है। मैं किसी भाषा के लिए नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए दूसरी इंडस्ट्री में जाना चाहती हूं। मेरे लिए 'दंगल' जर्नी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन पूरी जर्नी नहीं। हर नया किरदार मेरे लिए फिर से नई शुरुआत है।'

मां बनने के बाद अब ये ध्यान में रखकर चुनती हैं फिल्में

श्रिया सरन ने हाल ही में 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने बताया कि नई मां होने के नाते फिल्म की टीम ने उनकी जरूरतों का खास ध्यान रखा। इसके अलावा मां बनने के बाद अब वो फिल्में क्या सोचकर चुनती हैं? इस पर भी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है।

वे मेरे लिए बहुत सपोर्टिव थे

बातचीत में श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की थी, तब उनकी बेटी सिर्फ 8 महीने की थी। वहीं, 'दृश्यम 3' के समय उनकी बेटी थोड़ी बड़ी हो चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैंने 'दृश्यम 2' की थी, तब मेरी बेटी 8 महीने की थी। और पार्ट 3 में, जाहिर है, वह बड़ी हो गई है। लेकिन टीम बहुत सपोर्टिव थी। शूटिंग के बाद वो मुझे पहले भेज देते थे, कई बार अजय सर से भी पहले, क्योंकि वे कहते थे कि वह नई मां हैं। वे बहुत दयालु और प्यारे हैं और मैं उनकी आभारी हूं।'

ये सोचकर करती हैं फिल्में

श्रिया ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद फिल्मों को चुनने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि एक दिन उनकी बेटी उन्हें पर्दे पर देखेगी। उन्होंने कहा, 'हां, मुझे इसका ध्यान रखना पड़ता है। मैं अपनी बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहती हूं और ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जिन पर मुझे पता हो कि एक दिन मेरी बेटी को मुझ पर गर्व होगा। मैं चाहती हूं कि वह बड़ी होकर कहे, 'मामा, वह बहुत अच्छी फिल्म थी और मुझे खुशी है कि आपने यह फिल्म की।'

अनीत पड्डा ने साझा किया साथ काम करने का अनुभव

हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शोक जताया है। इस लिस्ट में अब 'सैयारा' फेम अभिनेत्री अनीत पड्डा का नाम जुड़ गया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' के साथी कलाकार नाना पाटेकर को याद किया है। उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखी और कलाकार से सीखी गई चीजों के बारे में बताया।

अनीत पड्डा ने नाना पाटेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 'जब मैं पहली बार नाना पाटेकर सर से मिली, तो मैं मुश्किल से ही कुछ बोल पाई। मुझे लगता है कि मैं बस उस पल को महसूस कर रही थी। इतने ईमानदार, बेबाक और बिना किसी दिखावे के खुद जैसे रहने वाले व्यक्ति के सामने बैठना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था।'

अभिनेत्री ने नाना की जिंदगी और सिनेमा को देखने के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा 'वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, शोहरत के शोर के बजाय सादगी को चुना और आपको याद दिलाया कि असल में कलाकार होने का क्या मतलब होता है। उन्हें बोलते हुए सुनना, काम करते हुए देखना और बस उनके आस-पास रहना, एक ऐसा सबक था जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।'

अनीत ने आगे लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही उनसे मिलना और फिर उनके साथ काम करना, ऐसी बात है जिसके लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। उन्हें बस देखते हुए ही मैंने बहुत कुछ सीखा और पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता है कि वे पल कितने कीमती थे। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मेरे साथ थी, यह सोचकर आज भी मेरे पास शब्द नहीं होते। यह सब किसी सपने जैसा लगता है।'

'बंदिश बैंडिट्स' वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग

'बंदिश बैंडिट्स' के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा।

श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'मुपापा' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'मुपापा' में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं।

इंशाअल्लाह पर फिर शुरू हुआ काम

आलिया भट्ट और निर्देशक संजय लीला भंसाली एक बार फिर साथ काम करने की तैयारी में हैं। दोनों की पुरानी फिल्म 'इंशाअल्लाह' को नए सिरे से बनाने की योजना है। 2019 में सलमान खान के साथ इस फिल्म का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। अब भंसाली इसकी कहानी और पटकथा में बड़े बदलाव कर इसे नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। एक्ट्रेस और डायरेक्टर इससे पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में साथ काम कर चुके हैं।

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं– चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं– चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण–भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी–कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी–कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं– रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं– एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य–रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय – गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन–समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता – कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा– कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी – चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता – देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी – पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।